वर्ष-11 अंक-80 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, मंगलवार 03 जून 2025

TM

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

यूक्रेन ने बजाई खतरे की घंटी, पाकिस्तान को मिले एआई-पावर्ड ड्रोन तो क्या होगा? आफत में भी अवसर खोज सकता है भारत

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने तुर्की और चीन में बने ड्रोन के झुंड भेजकर भारत पर हमले की बहुत ही भयानक कोशिश की थी। लेकिन, हमारा एंटी एयर डिफेंस सिस्टम इतना मजबूत साबित हुआ कि दुश्मन के सारे मंसूबे फेल हो गए। लेकिन, यूक्रेन ने जिस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ड्रोन का इस्तेमाल करके रूस के 40 बमवर्षक विमानों को हजारों किलोमीटर दूर घुसकर तबाह किया है, उसने भारत की चिंता बढ़ा दी है। पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश के हाथों में तुर्की या चीन के रास्ते ऐसी तकनीक पहुंचे, उससे पहले भारत को इसकी काट खोजनी पड़ेगी। भारत के लिए यह मुश्किल काम नहीं है। हम ड्रोन टेक्नोलॉजी में बहुत आगे हैं। हम चाहें तो ऐसे ड्रोन बनाकर अपनी युद्ध क्षमता को भी बढ़ा सकते हैं और इसमें परंपरागत लड़ाकू विमानों के मुकाबले लागत भी बहुत कम कर सकते हैं। यही नहीं, भारत ऐसे ड्रोन विकसित करके उसे दूसरे देशों को बेच भी सकता है और ऐसा न कर पाने की कोई वजह भी नहीं है। इसलिए, यूक्रेन की ओर से रूस के एयरबेस पर किया गया ड्रोन हमला, अगर खतरे की घंटी है तो इस आफत में भारत अपने भविष्य के लिए उज्ज्वल अवसर भी खोज सकता है।यूक्रेन ने एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले ड्रोन से रूस पर हमला किया। उसने रूस के दूर-दराज इलाकों में 40 से ज्यादा बमवर्षक विमानों को तबाह कर दिया। इस हमले ने भारत के रक्षा विशेषज्ञों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। अब भारत के लिए यह जरूरी है कि वह ड्रोन

तकनीक का विस्तार करे। उसे न सिर्फ अपनी सुरक्षा करनी है, बल्कि दुनिया में ड्रोन तकनीक का लीडर भी बनना है। पाकिस्तान ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ड्रोन से हमला किया था। भारत ने उस हमले को नाकाम तो कर दिया लेकिन, इससे यह नहीं समझना चाहिए कि हम पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यूक्रेन के ड्रोन हमलों से पता चलता है कि दुश्मन देश के अंदर तक हमला कर सकते हैं। खासकर एफपीवी और एआई से चलने वाले ड्रोन से। ये ड्रोन आसानी से पकड़ में नहीं आते। वैसे भी तुर्की और चीन मिलकर ड्रोन तकनीक को आगे बढ़ा रहे हैं। चीन ड्रोन बेचने वाला सबसे बड़ा देश है। तुर्की के बायरक्तार ड्रोन ने लीबिया, सीरिया और अजरबैजान में युद्ध का रुख बदल दिया था। अगर ये तकनीक पाकिस्तान को मिल जाती है, तो वह भारत में कहीं भी ड्रोन से हमला कर सकता है। सिर्फ सेना के ठिकानों पर ही नहीं, बल्कि आम लोगों के इलाकों में भी।आज भारत के पास ड्रोन से बचने के लिए कई एंटी-ड्रोन डिफेंस सिस्टम हैं। जैसे कि रडार से चलने वाली बंदूकें, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग सिस्टम और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के लेजर हथियार। लेकिन, अब फाइबर-ऑप्टिक ड्रोन आ गए हैं। ये जैमिंग से भी नहीं रुकते। एआई से चलने वाले ड्रोन भी ऐसे ही हैं। इसलिए, सिर्फ बॉर्डर पर सुरक्षा करने से काम नहीं चलेगा। अब देश के अंदर भी हवाई हमलों से बचने के लिए नए सिरे से तैयारी करनी होगी। जैसे कि नेवी के बेस, हवाई अड्डे और जरूरी सरकारी इमारतों की सुरक्षा। कुल मिलाकर कहें कि ड्रोन अब युद्ध का नया तरीका बन गए हैं तो गलत नहीं होगा। यूक्रेन ने एक साल में ही बेसिक एफपीवी ड्रोन से एआई वाले कामिकेज ड्रोन बना लिए। ये ड्रोन खुद ही दुश्मन के टारगेट की पहचान कर हमला करते हैं। यूक्रेन का यह हमला 1996 में हुए परमाणु हथियार छोड़ने की बरसी पर हुआ। इससे यह संदेश मिला है कि अब स्मार्ट अटैक टेक्नोलॉजी ही असली हथियार है।भारत को इसे गंभीरता से लेना होगा। अगर एआई वाले ड्रोन कुछ हजार रुपये में दुश्मन के करोड़ों का नुकसान कर सकते हैं, तो भारत को इस सेक्टर में ज्यादा ध्यान देना होगा। इससे भारत न सिर्फ अपनी रक्षा कर पाएगा, बल्कि ड्रोन बनाने में दुनिया का लीडर भी बन सकता है। भारत के पास पहले से ही ड्रोन बनाने की अच्छी तकनीक है। ऑपरेशन सिंदूर में स्काईस्ट्राइकर और नागस्त्र-1 जैसे ड्रोन इस्तेमाल किए गए थे। ये ड्रोन भारतीय कंपनियों ने इजराइल के साथ मिलकर बनाए हैं। लेकिन, ये ड्रोन अभी भी यूक्रेन के एआई वाले ड्रोन की तुलना में कमजोर हैं। भविष्य में युद्ध सिर्फ ड्रोन से नहीं होगा, बल्कि एआई वाले ड्रोन से होगा। भारत को एआई, ड्रोन के झुंड और खुद निशाना लगाने वाली तकनीक में ज्यादा पैसा लगाना होगा। इससे ड्रोन खुद ही फैसला ले सकेंगे, युद्ध के मैदान में बदलती स्थिति के अनुसार काम कर सकेंगे और सटीक निशाना लगा सकेंगे। देश में हाल ही में नेशनल इनोवेशन चैलेंज फॉर ड्रोन एप्लीकेशन एंड रिसर्च शुरू किया गया है। यह एक अच्छी पहल है। स्वायान इनिशिएटिव के तहत छात्रों को खेती और आपदा में मदद करने वाले ड्रोन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। लेकिन, अब इसे रक्षा के लिए भी इस्तेमाल करना होगा। जैसे साइबर सुरक्षा जरूरी है, वैसे ही हवाई सुरक्षा भी जरूरी है। इसके लिए सैटेलाइट, रडार, एआई और हथियारों को मिलाकर एक सिस्टम बनाना होगा, जो बदली परिस्थितियों में इस्तेमाल में आ सके।

नूर खान एयरबेस पर मुनीर सेना का नियंत्रण नहीं... ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए ठिकाने पर पाकिस्तानी एक्सपर्ट का बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और भारत के बीच बीते महीने हुई सैन्य झड़प के बाद से नूर खान एयरबेस लगातार चर्चा में है। इसकी वजह ये है कि भारत ने रावलपिंडी शहर स्थित पाकिस्तानी सेना के इस ठिकाने पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमला किया था। भारत के हमले में इस एयरबेस का काफी ज्यादा नुकसान हुआ। इस एयरबेस के बारे में पाकिस्तान के एक सुरक्षा विशेषज्ञ इम्तियाज गुल ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। गुल का दावा है कि नूर खान एयरबेस पाकिस्तानी नहीं बल्कि अमेरिकी सेना का ठिकाना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इम्तियाज गुल ने दावा किया है कि पाकिस्तान वायु सेना का नूर खान एयरबेस कथित तौर पर अमेरिका के नियंत्रण में है। गुल का दावा है कि पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भी एयरबेस में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं है। इससे पाकिस्तान की संप्रभुता पर सवाल उठ रहे हैं और देश के लोगों की अपनी जमीन पर विदेशी प्रभाव और पारदर्शिता की कमी पर चिंताएं बढ़ गई हैं।गुल के दावे के अनुसार, पाकिस्तान सेना के अधिकारियों को एयरबेस पर कोई नियंत्रण नहीं है। इसे अमेरिकी सेना क्षेत्र में अपने प्रभाव और सैन्य अभियानों के लिए अपने नियंत्रण में रखे हुए है। गुल ने कहा है अमेरिकी विमानों को बार-

बार नूर खान एयरबेस पर देखा गया है, लेकिन उनके कार्गो के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। यानी ये साफ नहीं है कि ये विमान क्या ले आ रहे हैं और क्या ले जा रहे हैं। गुल के दावों से पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर एक हलचल देखी जा रही है। इसकी वजह इसका राजधानी इस्लामाबाद से कुछ ही किमी दूर रावलपिंडी में होना है। यह पाकिस्तानी आर्मी के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण सुविधा है। यह पाकिस्तान सेना के जनरल हेडक्वार्टर और सामरिक योजना प्रभाग के एकदम करीब है। यह प्रभाग पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।नूर खान एयरबेस पाक एयरफोर्स के हवाई गतिशीलता संचालन (एरियल मॉबिलिटी ऑपरेशन) के लिए कमांड सेंटर के रूप में काम करता है। यहां सी-130 हरक्यूलिस और आईएल-78 मिड-एयर रिफ्यूलर जैसे महत्वपूर्ण परिवहन स्क्वाड्रन हैं। ये स्क्वाड्रन लॉजिस्टिकल और रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। एयरबेस में बेनजीर भुट्टो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, विमानन कैडेटों के प्रशिक्षण के लिए पीएफ कॉलेज चकलाल और फजिया इंटर कॉलेज भी है। साफ है कि अगर यहां किसी दूसरे देश की सेना की मौजूदगी है तो ये पाकिस्तान के लिए बेहद चिंताजनक हो सकता है।

उत्तराखंड में 170 मदरसे सील, प्रशासन बोला-ऊपर से ऑर्डर,मुस्लिम संगठनों का आरोप- मान्यता है, फिर भी टारगेट किया

मदरसा बोर्ड ने अवैध बताया

नयी दिल्ली। हमारे पास शिक्षा बोर्ड और मदरसा बोर्ड की मान्यता है। जमीन के कागज भी हैं, फिर भी कार्रवाई की गई। प्रशासन ने हमारी एक नहीं सुनी। यही कहते रहे कि मदरसा तो सील होकर रहेगा, ऊपर से ऑर्डर है। फिर मदरसा सील कर दिया। यहां 70 से 80 बच्चे पढ़ते थे। सबकी पढ़ाई बंद हो गई।' उत्तराखंड के देहरादून में दारुल उलूम मुहमदिया मदरसा के प्रबंधक मोहम्मद मोहतशिम समझ नहीं पा रहे कि आखिर ये सब क्यों हुआ। मदरसे पर कार्रवाई का सामना करने वाले मोहतशिम अकेले नहीं हैं। उत्तराखंड में फरवरी-मार्च से ही कथित 'अवैध' मदरसों को सील किया जा रहा है। राज्य सरकार ने मई 2025 तक 170 से ज्यादा मदरसे बंद करने का दावा किया है। सरकार और मदरसा बोर्ड का कहना है कि कार्रवाई सिर्फ अवैध और अनरजिस्टर्ड मदरसों के खिलाफ हुई है। किसी कम्युनिटी को टारगेट नहीं किया जा रहा है। हालांकि, मुस्लिम संगठनों का कहना है कि हमारी कम्युनिटी को जानबूझकर टारगेट किया जा रहा है।मदरसों पर एक्शन और मुस्लिम संगठन का आरोपों को समझने के लिए दैनिक भास्कर देहरादून और हल्द्वानी पहुंचा। हमने सील किए गए मदरसों के प्रबंधकों और संचालकों से बात की।दिसंबर 2024 में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के सभी मदरसों के वेरिफिकेशन का ऑर्डर दिया। ये वेरिफिकेशन रजिस्ट्रेशन, फंडिंग सोर्सेज और स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर किया गया।इसके बाद 27 फरवरी को 5 साल बाद उत्तराखंड मदरसा बोर्ड मान्यता समिति की मीटिंग हुई। इसमें मदरसों के रजिस्ट्रेशन के लिए आईं पुरानी और नई एप्लिकेशन की समीक्षा की गई। इससे पहले कि संस्थानों को मान्यता और रिन्युअल के सर्टिफिकेट पहुंचते, अगले ही दिन मदरसों पर एक्शन शुरू हो गया। प्रशासन का कहना है कि जो मदरसे सील किए गए, उनके पास मदरसा बोर्ड की मान्यता नहीं है।उत्तराखंड सरकार ने मई 2025 तक 170 से ज्यादा मदरसे बंद करने का दावा किया है, जो बिना रजिस्ट्रेशन या जरूरी परमिशन के चल रहे थे। इनमें उधम सिंह नगर में 65, देहरादून में 44, हरिद्वार में 43, नैनीताल में 25 और हल्द्वानी में 17 मदरसे सील किए गए हैं। हम सबसे पहले देहरादून के मदरसा दारुल उलूम मुहमदिया पहुंचे। देहरादून के कारगी में ये मदरसा 2013 से चल रहा था। यहां मोहल्ले के बच्चे पढ़ने आते थे। 28 फरवरी को इसे सील कर दिया गया।मदरसे के प्रबंधक मोहम्मद मोहतशिम कार्रवाई वाले दिन को याद करते हुए बताते हैं, '28 फरवरी को डीएम और एसडीएम के साथ भारी पुलिसबल मदरसे पर आया। तब यहां बच्चे पढ़ाई कर रहे थे।हमारे पास शिक्षा बोर्ड और मदरसा बोर्ड की मान्यता है। मदरसे के सभी कागजात हैं। कार्रवाई से पहले कोई नोटिस भी नहीं मिला। फिर भी प्रशासन ने मदरसा सील कर दिया। अफसरों ने हमारी एक बात नहीं सुनी। वे कहते रहे कि मदरसा तो सील होगा। कम से कम एक दफ्तर या कमरा सील करना ही पड़ेगा।'मोहतशिम आगे बताते हैं, 'हमने पिछले साल फरवरी में मदरसा बोर्ड में मान्यता के लिए अप्लाई किया था। इसकी रिसीविंग भी हमारे पास है। फिर भी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दिन से सब बंद पड़ा है। न ही मदरसे में फिर से तालीम देने की इजाजत मिली है।' 'इस सिलसिले में मैं डीएम से भी मिलने गया था। उन्होंने मदरसा बोर्ड जाने को कहा। हम मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष शमूम कास्मि से मिलने गए। मैंने उनसे हाथ जोड़कर मदरसा दोबारा खोलने की अनुमति मांगी लेकिन वो भी हमसे बात करने को भी राजी नहीं हैं। वहां से हमें एसडीएम के पास जाने को कहा गया।

अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट, ईरान से गैस मंगाने का आरोप, अमेरिका में हो रही जांच

नयी दिल्ली। देश के तीसरे सबसे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है। इनमें दो फीसदी तक गिरावट आई है। अमेरिका के बिजनस अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारी गौतम अडानी की कंपनियों की जांच कर रहे हैं। आरोप है कि अडानी की कंपनियों ने ईरान से एलपीजी गैस मुंद्रा पोर्ट के जरिए भारत में मंगाई। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को गलत बताया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने जानबूझकर किसी भी तरह से प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं किया है और न ही ईरान से एलपीजी का कारोबार किया है।शुरुआती कारोबार में अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से आठ में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर 2452.70 रुपये तक गिरावट गया था। इसी तरह अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशन, अडानी पावर, एनडीटीवी और अंबूजा सीमेंट्स में गिरावट आई है।

एडब्ल्यूएल एग्री बिजनस और एसीसी के शेयर मामूली तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। डब्लूएसजे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गुजरात के मुंद्रा पोर्ट और फारस की खाड़ी के बीच चलने वाले टैंकरों में कुछ ऐसी गतिविधियां देखी गईं, जो आमतौर पर प्रतिबंधों से बचने के लिए की जाती हैं। रिपोर्ट में कुछ जानकारों और मामले से जुड़े लोगों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी न्याय विभाग कुछ एलपीजी टैंकरों की जांच कर रहा है। आरोप है कि इन टैंकरों ने अडानी एंटरप्राइजेज को माल पहुंचाया। लेकिन अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को गलत बताया है। कंपनी ने शेयर बाजार में एक फाइलिंग में कहा कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में अडानी की कंपनियों और ईरानी एलपीजी के बीच संबंध होने का आरोप लगाया गया है। यह आरोप निराधार और शरारतपूर्ण है। हम स्पष्ट रूप से प्रतिबंधों से बचने या ईरानी मूल के एलपीजी से जुड़े व्यापार में किसी भी जानबूझकर भागीदारी से इनकार करते हैं। हमें इस विषय पर अमेरिकी अधिकारियों द्वारा किसी भी जांच की जानकारी नहीं है।

देश में कोरोना से 4 दिन में 31 मौतें, एक्टिव केस 4 हजार पार, महाराष्ट्र-केरल में 50फीसदी केस

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 4026 पहुंच गई है। इनमें से 50 फीसदी मामले केरल और महाराष्ट्र में हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1416 एक्टिव केस हैं। वहीं, महाराष्ट्र से 494 मामले सामने आए हैं। अब तक देशभर में 2700 मरीज ठीक भी हुए हैं। कोरोना से अब तक 38 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 31 की मौत बीते 4 दिन में हुई हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को एक 70 साल और एक 73 साल की महिला की जान चली गई। राज्य में सबसे ज्यादा 10 मौतें हुई हैं। 24 घंटे में केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी 1-1 मौत हुई है। लगातार बढ़ते केसों के बीच दिल्ली के आरएमएल, सफदरजंग समेत अन्य अस्पतालों ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना के मामले बढ़ना कोई चिंता की बात नहीं है। किसी भी मरीज को कोई गंभीर समस्या नहीं हो रही है। सभी में सामान्य लक्षण हैं। आरएमएल अस्पताल में 9 बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा- कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी एक्टिव है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सैंपल कलेक्शन, सैंटर और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी मांगी है।कोर्ट ने कहा कि 30 मई 2023 को हुई बैठक के बाद जो भी निर्णय लिए गए, उन्हें लागू करने में अगर कोई खालीपन है तो यह गंभीर मामला है। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल तय किए जा चुके होंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को इसे रिकॉर्ड पर लाना चाहिए।केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं। सभी राज्यों के हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने संबंधित सचिवों और मंत्रियों से बातचीत की है।

देश में कोरोना से 24 घंटे में 5 मौतें,3976 एक्टिव केस

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं। महाराष्ट्र एक्टिव मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 33 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 5 मौत हुई है। रविवार को दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से जान गई। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान

रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। राज्य में 238 एक्टिव केस हैं। मिजोरम में शुक्रवार को 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे। उन्होंने बताया कि मरीजों का इलाज आइजोल के पास फल्कोन में जोरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के इंटीग्रेटेड रोग निगरानी कार्यक्रम ने लोगों से न घबराने की बात कही है। आईडीएसपी ने लोगों से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने, नियमित रूप से हाथ धोने, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में न जाने की सलाह दी है। वहीं गोरखपुर में बर्ड फ्लू का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गोरखपुर चिड़ियाघर से शुरू हुआ यह संक्रमण अब चिकन शॉप तक पहुंच गया है। मुर्गे के मीट की दुकानों पर बर्ड फ्लू की पुष्टि होते ही जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। अब तक यहां एक हजार से अधिक मुर्गों में संक्रमण की आशंका होने पर उन्हें नगर निगम की टीम ने मारकर जमीन में दफना दिया है।

गोरखपुर में बर्ड फ्लू से हुए नुकसान का मिलेगा मुआवजा

अहमदाबाद में सोमवार को 47 साल की महिला की मौत हुई है। लगातार बढ़ते केसों के बीच कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की है।

'अधीक्षक कहते हैं बहुत सुंदर हो तुम', कभी मेरे लिए कोई काम हो तो बताना, प्रयागराज में सीएचसी पर तैनात हेल्थ आफिसर का दर्द

प्रयागराज। कौंधियारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात महिला कम्युनिटी हेल्थ आफिसर(सीएचओ) ने अधीक्षक और बीसीपीएम पर छेड़खानी के आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि अधीक्षक अभद्र कमेंट करते हैं। कहते हैं, तुम बहुत सुंदर हो। कभी मेरे लिए कोई जरूरत हो तो बताना। इसी तरह अन्य पर्सनली कमेंट करते रहते हैं। इसमें बीसीपीएम के द्वारा भी हंसते हुए उनका समर्थन किया जाता है।सीएचओ ने सीएमओ डॉ. एके तिवारी से मिलकर इसकी शिकायत की है। मामला का संज्ञान लेकर सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बना दी है। उनका कहना है कि मामला महिला उत्पीड़न का है।इसलिए इसकी जांच की जिम्मेदारी एसीएमओ डॉ. निशा सोनकर को दी गई है। इसके अलावा 3 और सदस्य भी जांच कमेटी में

शामिल हैं।सीएचओ ने अपनी शिकायत में कहा है कि कौंधियारा के अधीक्षक डॉ. पंकज कुमार पवन और बीएसीपीएम अजय कुमार लगातार उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। बीसीपीएम नौकरी से निकालने तक की धमकी देते रहते हैं। ब्लॉक में 18 सीएचओ हैं। उन्हें भी तरह से प्रताड़ित किया जाता है। वे अपनी आवाज उठा चुके हैं लेकिन उनकी सुनवाई नहीं होती।सीएचओ ने बताया कि 29 मई को आरसीएच व पीबीआई अभिलेख संबंधित रजिस्टर बैठक में दोबारा मंगाया गया, जिसमें हम लोगों से बीसीपीएम द्वारा एएनएम से सर्वाधिक कार्य रजिस्टर बनाने का दबाव डाला गया। इसी बैठक में 26 मई को हुई घटना का पुलिस द्वारा पत्र लाया गया। पत्र में अपने पक्ष को सही साबित करने के लिए बीसीपीएम अजय कुमार व अधीक्षक डॉ. पंकज पवन द्वारा हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाया गया। मना करने पर वित्तीय अनियमितता में फंसाने की धमकी दी जा रही है। इस संबंध में अधीक्षक डॉ. अधीक्षक डॉ. पंकज कुमार पवन ने कहा, अपना-अपना कार्य एवं दायित्व के निर्वहन के लिए बोला जाता है। यह आरोप बेबुनियाद एवं निराधार है।

टिकरी गांव में 5 लोगों ने घर में घुसकर दलित महिला से करी बदसलूकी, दी जान से मारने की धमकी

प्रयागराज।यमुनापार के टिकरी गांव में एक दलित महिला के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। पीड़िता सीता देवी ने गांव के पांच लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

सीता देवी ने बताया कि आरोपी उनके घर में जबरन घुस आए। आरोपियों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया और गालियां दीं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने घर के बिजली के तार भी काट दिए। उन्होंने महिला को जान से मारने की धमकी भी ड़िता ने कौंधियारा थाना प्रभारी से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस महिला की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सपा नेता का अश्लील वीडियोःहाथ में शराब की बोतल लिए लड़की को गोद में बैठाए दिख रहा; बोला- फर्जी है

प्रयागराज। सपा नेता का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह

एक युवती साथ अश्लील हरकतें करते नजर आ रहे हैं। वहीं, युवती शराब की बोतल हाथ में पकड़े दिख रही है। वह बेड पर सपा नेता की गोद में बैठी है। वीडियो में दिख रहा सपा नेता रामसागर उर्फ मुखिया यादव है। वह मेजा लोहारी का रहने वाला है और साधन सहकारी समिति का अध्यक्ष रह चुका है।वीडियो में सामने आने के बाद डीसीपी यमुना नगर विवेक चंद्र यादव ने मामले में मेजा थाने में रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया है। वहीं, सपा नेता मुखिया यादव कहना है कि यह वीडियो फर्जी है। मुझे बदनाम करने के लिए मेरी ही पार्टी के एक विधायक की साजिश है। मैं इसकी शिकायत अफसरों से करूंगा।वीडियो में मुखिया यादव (45) के बगल में दो अन्य लोग भी हैं। वो भी सपा से जुड़े बताए जा रहे हैं। वीडियो एक बंद कमरे का है। माना जा रहा है कि डांस और मस्ती के दौरान इसे बनाया गया। इसमें दिख रहा है कि सपा नेता मुखिया यादव अपने 4-5 साथियों के साथ शराब पी रहा है। वहीं वीडियो में 2-3 युवतियां भी नजर आ रही हैं।वीडियो में दिख रहा सपा नेता मुखिया यादव प्रयागराज के कई बार के सांसद का काफी करीबी बताया जाता है। इसी के चलते वह 2024 में सिरसा साधन सहकारी समिति का अध्यक्ष बना था। वहीं, विधानसभा चुनाव के दौरान मुखिया यादव का मेजा में पुलिस वालों से विवाद हो गया था। सोशल मीडिया पर वह वीडियो भी वायरल हुआ था।अश्लील वीडियो के मामले में मुखिया यादव का कहना है कि यह साजिश है।

अयोध्या में युवक की हत्या, 6 टुकड़ों में काटाःसेना की तैयारी कर रहा था

लखनऊ। अयोध्या में सेना की तैयारी कर रहे 22 साल के युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसका शव छह टुकड़ों में मिला। हाथ-पैर, गर्दन और धड़ अलग-अलग थे। युवक घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। पिता रात में जनरेटर में पानी डालने के लिए उठे। उनकी नजर चारपाई के नीचे बह रहे खून पर पड़ी।यह देखकर वह चौंक गए। फिर बेटे के पास गए तो देखा कि उसकी लाश चारपाई पर टुकड़ों में पड़ी थी। इसके बाद वह चीख पड़े। शोर सुनकर घरवाले दौड़कर पहुंचे। घरवालों की सूचना पर सोमवार रात ढाई बजे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। घरवालों ने युवक के सगे चाचा और पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया है।वारदात बीकापुर कोतवाली से सिर्फ 250 मीटर की दूरी पर हुई। सुबह पिता रोते-रोते बेहोश हो गए। घरवालों ने पानी के छींटे मारकर उन्हें होश में लाया। बहन भी रो-रोकर बेसुध हो गई। वह बार-बार कह रही थी- भइया, कहां चले गए?युवक की पहचान पटेल नगर निवासी दिनेश वर्मा के रूप में हुई है। दिनेश माता-पिता, दो बहनों और दो भाइयों के साथ रहता था।

उसके पिता राजकुमार वर्मा बीकापुर बाजार में पान की गुमटी चलाते हैं। इससे परिवार का खर्च चलता है।घरवालों ने बताया कि दिनेश बीए की पढ़ाई पूरी कर चुका था। वह बीएसएफ में जाने की तैयारी कर रहा था। दिनेश ने हाईस्कूल भारती इंटर कॉलेज से, इंटरमीडिएट शिक्षा दीक्षा खजुरहट से और बीए की पढ़ाई महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज से की थी।युवक के पिता राजकुमार वर्मा ने बताया- कल आंधी और बारिश की वजह से बिजली के खंभों पर पेड़ गिर गए थे, जिससे लाइट कट गई थी। रात करीब 10 बजे मैं दुकान से घर आया तो बेटे ने कहा- पापा, बहुत गर्मी लग रही है। जेनरेटर मंगवा दो।मैंने भाड़े पर जेनरेटर मंगवाया। इसके बाद सभी लोगों ने खाना खाया। बीच बेटा खेत में सिंचाई करने बेटा पानी खोलने गया था। सभी लोग घर के बाहर अलग-अलग जगह सो गए। बेटा छप्पर के पास जाकर चारपाई पर सो गया।रात करीब एक बजे मैं उठा तो सोचा कि जेनरेटर में पानी डाल दूं। तभी बेटी भी उठकर आई। बोली- पड़ोसी के घर तीन लोग दिख रहे हैं। मैंने कहा- हो सकता है, उनके यहां मेहमान आए हों। फिर मैं बंबे (हैंडपंप) पर हाथ धोने गया। तभी मेरी नजर चारपाई के पास पड़ी। देखा तो खून बह रहा था। फिर बेटे के पास गया। उसकी लाश देखकर मैं चीख पड़ा। मेरी चीख सुनकर घरवाले आ गए। फिर पुलिस को सूचना दी गई।एड देहात बलवंत ने बताया - शव पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। मृतक के बड़े भाई विनोद वर्मा ने तहरीर दी है कि जमीन की रंजिश में सगे चाचा अशोक कुमार वर्मा और पड़ोसी रामकृष्ण वर्मा ने मिलकर उनके भाई की हत्या कर दी।चाचा की पत्नी और पड़ोसी रामप्रकाश वर्मा ने साजिश रचकर पूरी घटना को अंजाम दिलवाया। दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि दो आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

लखनऊ में कोरोना के 5 केस रिपोर्टःअस्पतालों में कोविड जांच की सुविधा नहीं, निजी अस्पतालों में हो रही सैंपलिंग

लखनऊ। कोरोना लखनऊ समेत यूपी के राजधानी लखनऊ समेत

प्रदेश में कोरोना के मामले में लगातार इजाफा हो रहा है लखनऊ में अब तक पांच कोरोना पॉजिटिव केस रिपोर्ट हो चुके हैं बावजूद इसके कि राजधानी के लगभग सभी बड़े सरकारी अस्पतालों में कोरोना के आरटी-पीसीआर जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में मजबूरन निजी पैथोलॉजी का रुख करना पड़ रहा है इन पैथोलॉजी में कोरोना की जांच के लिए मोटी रकम वसूली जा रहे हैं हालांकि सरकारी सीएमओ की तरफ से कहा गया है लखनऊ सीएमओ की तरफ से दावा किया गया कि सोमवार शाम तक सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों कोरोना की जांच के लिए एंटीजन किट पहुंचा दी गई पर अस्पतालों में अभी तक कोरोना से जांच को लेकर कोई ठोस तैयारी नहीं है।लखनऊ के राजनारायण लोकबंधु संयुक्त अस्पताल में कोविड जांच की सुविधा मौजूद नहीं है। कोरोना जांच के लिए पहले यहां सैंपल कलेक्शन होता था फिर उसे जांच के लिए केजीएमयू भेजा जाता था। पर फिलहाल यहां पर कोरोना की जांच के लिए मरीजों को निराशा हाथ लग रही है।अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.राजीव दीक्षित ने बताया कि फिलहाल कोरोना की जांच नहीं हो पा रही है। ऐसी कोई मरीज जो आते हैं उनको केजीएमयू या एसजीपीजीआई में जांच के लिए भेजा जाता है।बलरामपुर अस्पताल में भी सामान्य मरीजों की कोरोना जांच नहीं हो रही है। अस्पताल प्रशासन की माने तो केवल एसएआरआई और आईएलआई मरीजों की जांच हो रही है। इसके अलावा अन्य मरीजों की जांच के लिए मनाही है।अस्पताल के निदेशक डॉ.दिनेश कुमार ने कहा कि सामान्य जुकाम बुखार के मरीजों को आरटी-पीसीआर जांच की हिदायत नहीं दी जा रही है। जो मरीज पहले से गंभीर सांस के रोगी हैं या जिन्हें रेस्पिरेटरी परेशानी है उनकी ही यह जांच कराई जा रही है।

7 साल, 30 आंदोलन, हमेशा निराश लौटे शिक्षक अभ्यर्थी,बोले- चाहे जितनी परीक्षा लो, भर्ती करो,यूपी में 1.83 लाख पद खाली

प्रयागराज। जौनपुर की अंतिमा विश्वकर्मा इतना कहने के बाद सरकार और अधिकारियों को कोसने लगती हैं कि '2019 में हमारा डीएलएड पूरा हुआ। इसके बाद टेट-सीटेट भी पास कर लिया। प्राइमरी-अपर प्राइमरी दोनों के लिए एलिजिबल हूं। लेकिन, 7 साल से भर्ती ही नहीं आई। एक टाइम के बाद लगता है कि हमें आत्मनिर्भर हो जाना चाहिए। कब तक मां-बाप पर निर्भर रहेंगे? अब तो घर से पैसा मांगने में भी शर्म आती है। सरकार भर्ती निकाले, चाहे जितने एग्जाम करवाना हो करवाए और फिर हमारी भर्ती कर ले।' जौनपुर की अंतिमा विश्वकर्मा इतना कहने के बाद सरकार और अधिकारियों को कोसने लगती हैं। वह प्रयागराज में यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर धरने पर बैठी हैं। उन्हीं की तरह 500 से ज्यादा युवा शिक्षक भर्ती को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। यह पहला आंदोलन नहीं है। पिछले 7 साल में 30 से ज्यादा बार आंदोलन हो चुका है। कभी युवा निराश होकर लौट जाते हैं, तो कभी आश्वासन पाकर कि भर्ती आने वाली है। 28 मई से धरना चल रहा। युवाओं का कहना है कि अबकी लड़ाई आर-पार की है। जब तक भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं होता, वापस नहीं जाएंगे। दैनिक भास्कर की टीम युवाओं के बीच पहुंची। उनसे बात की। सरकारी आंकड़े निकाले। खाली पदों के बारे में जानकारी हासिल की।21 मई, 2025 को यूपी सरकार के सोशल मीडिया एक्स हैंडल से सुबह-सुबह एक ट्वीट किया गया। इसमें लिखा गया- प्रदेश सरकार जल्द ही शिक्षकों के 1.93 लाख पदों पर भर्ती करने जा रही है। यह भर्ती तीन चरणों में होगी। हर चरण में करीब 65 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। इस संबंध में दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के साथ हुई प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड

की बैठक में वार्षिक कार्य योजना पेश की।' इस ट्वीट के बाद युवा उत्साह से भर गए। लेकिन, उनका यह उत्साह दोपहर 1 बजे खत्म हो गया। सरकार का यह ट्वीट डिलीट हो गया। भर्ती की बात खारिज कर दी गई।विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाया। शिक्षक अभ्यर्थी युवाओं ने आंदोलन शुरू कर दिया। 28 मई से प्रयागराज के एलनगंज में शिक्षा निदेशालय के बाहर धरने पर बैठ गए। इसी आंदोलन में शामिल गोरखपुर के प्रमोद मौर्य कहते हैं- 2019 में मैंने डीएलएड पूरा कर लिया। 2021 में टेट भी पास हो गया। इसके बाद भर्ती के लिए हमारा संघर्ष शुरू हुआ। प्रयागराज से लखनऊ तक अब तक 30 से 40 बार आंदोलन कर चुके हैं। उस दिन 1.93 लाख शिक्षक भर्ती का ट्वीट देखा तो साथियों के साथ सीधा आयोग आया था। लेकिन, तब तक पता चला कि ट्वीट ही डिलीट कर दिया गया। प्रमोद कहते हैं- यह हमारा आखिरी आंदोलन है। हम लोग मर मिटेंगे, लेकिन हटेंगे नहीं। हमारे पास खोने को कुछ नहीं है। हम गरीब वर्ग से हैं। गेहूं बेचकर पैसा लाते हैं, हमारे पिता मजदूरी करके पैसा देते हैं।प्रयागराज में शिक्षक भर्ती आंदोलन का प्रतिनिधित्व डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) मोर्चा के अध्यक्ष रजत सिंह कर रहे हैं। रजत कहते हैं- पिछले 7 साल में हमने प्रयागराज, लखनऊ और अन्य जिलों में 100 से ज्यादा बार प्रदर्शन किया। इसमें पोस्टर अभियान चलाया, सोशल मीडिया अभियान शुरू किया। साथियों के साथ मुंडन करवाया, जल सत्याग्रह किया। कान पकड़कर मुर्गा बना, लेकिन भर्ती नहीं आई। इस बार हमारे पास उम्मीद है, तथ्य है। पीएबी (प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड) की रिपोर्ट है। रजत इस रिपोर्ट को लेकर कहते हैं- इस रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी में 1 लाख 81 हजार 276 पद खाली हैं। इस रिपोर्ट को तैयार करने में बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर ही रहे। इन लोगों ने सोचा कि इसे बाद में बताया जाएगा, इसका चुनावी फायदा लिया जाएगा, लेकिन उसके पहले ही यह सामने आ गई।डीएलएड मोर्चा के उपाध्यक्ष विशु यादव कहते हैं- हर साल हम 3 से 4 बार बड़ा आंदोलन करते हैं। इस तरह से 7 साल में 30 बार से ज्यादा आंदोलन कर चुके हैं। हर बार निराश होकर घर जाते हैं। हम लोगों के माता-पिता बूढ़े हो रहे हैं। हम बेरोजगार हैं, इसलिए शादी भी नहीं कर रहे। आखिर पत्नी का खर्च कैसे संभालेंगे?, आंदोलन में शामिल पंकज पांडेय कहते हैं- 5 दिन से हम लगातार धरने में आ रहे हैं। मैंने खुद बीएड किया है। प्राइमरी की नौकरी से बाहर हूं, लेकिन युवाओं के साथ खड़ा हूं। अब अगर 7-7 साल से भर्ती नहीं देना है, तो फिर डीएलएड बंद करवा दीजिए। क्योंकि इसे करने से कोई और विकल्प तो होता नहीं, फिर क्यों करवाया जा रहा। सरकार अनुपात-समानुपात के लिए जिन्हें जोड़ती है, उन्हें सैलरी देने के वक्त टीचर नहीं मानती। ऐसे कैसे चलेगा। 2027 में यह युवा इस सरकार का अनुपात-समानुपात सही करेगा।

पाकिस्तान से यूपी की तरफ बढ़ रहा साइक्लोन,लखीमपुर, कानपुर और लखनऊ में तेज हवाओं के साथ बारिश, 34 जिलों में अलर्ट

लखनऊ। यूपी में मौसम फिर बदल गया है। लखीमपुर खीरी

में मंगलवार सुबह तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। लखनऊ में सुबह से बादल छाए हैं, हल्की बारिश हो रही है। आगरा और कानपुर समेत कई जिलो में बादल छाए हुए हैं, तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज 34 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग का कहना है कि पाकिस्तान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने से मौसम में बदलाव हुआ है। सोमवार की बात करें तो झांसी, कानपुर देहात, फतेहपुर समेत 5 जिलों में बारिश हुई। सुल्तानपुर में 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से आंधी चली। इससे मार्केट का छज्जा टूटकर सड़क पर खड़ी कार पर गिर गया। कार चकनाचूर हो गई। विकास भवन की प्रेरणा कैंटीन उखड़कर एक कार पर गिरी। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने कहा - बारिश से तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट आएगी। अगले 3 दिनों तक ऐसा ही मौसम रहेगा। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया- मध्य पाकिस्तान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसके पीछे एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी एक्टिव है। यह तेजी से राजस्थान से होते हुए यूपी की तरफ बढ़ रहा है। इस कारण पश्चिमी यूपी में तेज चक्रवाती हवा के साथ बारिश के आसार हैं। इसके आगे बढ़ने पर मंगलवार को पूर्वांचल में भी तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। इसके बाद पांच जून से पश्चिमी विक्षोभ के कारण पारा एक बार फिर जोर पकड़ेगा।लखनऊ में मौसम बदला गया है। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई है। सुबह से बादल छाए हुए हैं। आज दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि दिन में आंधी के साथ एक से दो बार हल्की से मध्यम बारिश संभव है। आंधी की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। दिन में अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहने की संभावना है। देर रात न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया।कानपुर में मौसम रात से ही बदला हुआ है। सोमवार रात को हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं मंगलवार सुबह भी बूंदाबांदी हुई। घने बादल छाए हुए हैं। सोमवार को पूरे दिन बादलों की आवाजाही बनी रही। वहीं शाम को कुछ क्षेत्रों में 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चली। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई। पूरी रात बादलों की आवाजाही बनी रही। शाम को बूंदाबांदी से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया - यूपी में सोमवार से ही छिटपुट बारिश की शुरुआत हो गई है। तराई वाले क्षेत्रों में बारिश से तापमान में भी दो से चार डिग्री की गिरावट आएगी। मंगलवार को पूरे प्रदेश में बारिश के आसार बन रहे हैं। 6 जून से गर्मी बढ़ना शुरू होगी। तापमान में तीन से पांच डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

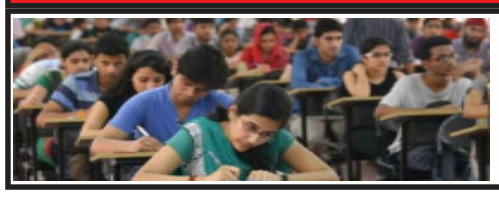

प्रदेश आस/पास भारत

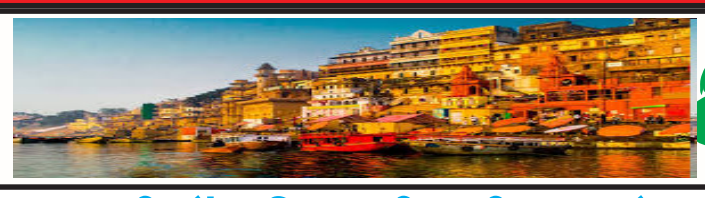

गोमांस के शक में पीटा- अलीगढ़ के मुस्लिमों में मॉब लिंचिंग का डर, मीट की दुकानें नहीं खोल रहे

अलीगढ़। अलीगढ़ के मीट व्यापारी अकील का कहना है 'हम डर-डरकर मीट का व्यापार कर रहे हैं। हमें कोई दूसरा काम आता नहीं। ऐसे में क्या करें? मीट कारोबार के सारे डॉक्यूमेंट्स हमारे पास हैं। फिर भी हमको पकड़ा जा रहा, पीटा जा रहा है। हम सरकार से चाहते हैं कि बिना दिक्कत एक नंबर का काम करने दिया जाए।' अकील और उनके 3 साथी 24 मई को मॉब लिंचिंग का शिकार हुए। हिंदूवादी संगठनों की भीड़ ने गोमांस ले जाने के शक में चारों व्यापारियों की बर्बरता से पिटाई की। इस घटना के बाद अलीगढ़ के मीट व्यापारी खौफ में हैं। कस्बा अतरौली की 20 से ज्यादा मीट दुकानें 24 मई से बंद हैं। दोबारा लिंचिंग के डर से दुकानदार फैक्ट्री से मीट लेकर नहीं जा पा रहे।अलीगढ़ में कस्बा अतरौली है। यहां मीट की 20-25 दुकानें हैं। सभी दुकानदार अलीगढ़ में मथुरा बाइपास रोड पर अल अम्मार फ्रोजन फूड्स एक्सपोर्ट कंपनी से रोजाना तकरीबन 700-800 किलो मीट खरीदते हैं। एक ही पिकअप गाड़ी में मीट भरकर रोजाना अतरौली ले जाते हैं।24 मई की सुबह मीट व्यापारी अरबाज, कदीम और अकील नाम के दो व्यक्ति पिकअप गाड़ी में अलीगढ़ से मीट लेकर अतरौली के लिए चले। थाना हरदुआगंज इलाके में कुछ हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लड़कों ने गाड़ी रुकवा ली। गोमांस तस्करी के शक में चारों व्यापारियों को बर्बरता से पीटा।मथुरा लैब से आई जांच रिपोर्ट में पता चला है कि ये मीट भैंस का था। इसके बाद पुलिस ने सलीम की शिकायत पर 13 नामजद और 20-25 अज्ञात युवकों के खिलाफ हमले की ईई दर्ज कर ली। इस मामले में अब तक 4

आरोपी जेल जा चुके हैं।भीड़ की हिंसा का शिकार होने वालों में मीट व्यापारी अकील भी हैं। वो फिलहाल जेएनयू अस्पताल के वार्ड- 5 में भर्ती हैं। ऐसे हालातों में मीट कारोबार अब कितना मुश्किल हो गया है? इसके जवाब में अकील कहते हैं- इस सरकार में दिक्कतें ही दिक्कतें हैं। इससे पहले हमारे काम में कोई परेशानी नहीं आई। हम वैध मीट बेचते हैं। उसके भी सारे कागजात होते हैं। इसके बावजूद डर रहता है कि कहीं वाहन न पकड़ लिया जाए। अकील कहते हैं- 15 दिन पहले भी बजरंगदल कार्यकर्ताओं ने हमारी गाड़ी पकड़ी थी। उनके साथ कुछ पुलिसवाले भी मौजूद थे। सारी इन्क्वायरी करने के बाद शाम 6 बजे हमारा मीट छोड़ा गया। तब तक करीब 700-800 किलो मीट खराब हो चुका था। हमारे साथ आए दिन ऐसा होता है। बजरंगदल वाले और पुलिसवाले आरोप लगाते हैं कि गाय का मीट है। इस काम को छोड़ो, बंद कर दो। जबकि डॉक्टर की जांच-पड़ताल के बाद ही हम भैंस का मीट बेचते हैं। अकील बताते हैं- एक बार पहले भी अलीगढ़ में गंदे नाले पर बजरंगदल वालों के साथ कुछ पुलिसवालों ने हमारा मीट भरा वाहन पकड़ा था। वो 2 लाख 70 हजार रुपए लेकर छोड़ा गया। इसके बावजूद हमारा मीट फेंक दिया गया। अब फिर से वही गैंग 50 हजार रुपए मांग रहे थे। धमकी देते हैं कि पैसे दो, वरना मीट बेचने नहीं देंगे। हमने पैसे नहीं दिए तो ऐसा किया गया।इस घटना से जुड़े कई वीडियो अब सामने आए हैं। इसमें हिंदू संगठनों के नाम पर उपद्रव कर रहे लड़कों की गुंडई सामने आई है। एक वीडियो के अनुसार, चारों मीट व्यापारी अपनी जान बचाने के लिए पुलिस की डायल-112 स्कॉर्पियो में बैठ गए। उपद्रवियों ने उन्हें पुलिस गाड़ी से बाहर निकालकर पीटा।इतना ही नहीं, स्कॉर्पियो में रखे पुलिस के डंडों से उन्हें पीटा। वहां खड़े पुलिसवाले बेबस दिख रहे थे। चारों चीखते-चिल्लाते रहे। पुलिसवालों ने घायलों को भीड़ से निकालकर गाड़ी भगाना भी उचित नहीं समझा। पुलिस की स्कॉर्पियो के शीशे डाउन थे, खिड़कियां खुली हुई थीं। उपद्रवियों ने इसका खूब फायदा उठाया।अलीगढ़ के एएमयू कैंपस स्थित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज करा रहे मीट व्यापारियों के जख्म तो धीरे-धीरे सूख रहे हैं। लेकिन, पूरे शरीर पर मौजूद पिटाई के निशान शायद ही आसानी से जाएं। दर्द इतना है कि वो न लेट पा रहे, न बैठ पा रहे, न चल पा रहे।हमने मॉब लिंचिंग में घायल हुए दूसरे मीट व्यापारी कदीम से भी बात की। कदीम बताते हैं- 24 मई की सुबह 8 बजकर 5 मिनट पर हम फैक्ट्री से मीट भरी गाड़ी लेकर अतरौली के लिए निकले। पनैटी चौराहे से एक किलोमीटर दूर ही चार-पांच बाइकों पर कुछ लड़के आए। उन्होंने अपनी बाइकें आगे लगाकर गाड़ी रुकवा ली। हमसे पूछताछ की और गाड़ी की तलाशी ली। मीट के कागजात देखे। फिर भी उन्होंने हमें रोके रखा और अपने कुछ साथी बुला लिए। 5 मिनट बाद ही चार-पांच बाइक पर 15-16 लड़के और आ गए। आते ही उन्होंने हमें पीटना शुरू कर दिया।कदीम आगे बताते हैं- उसी वक्त एक पुलिस की गाड़ी वहां से निकल रही थी। मैं तुरंत भागा और पुलिस गाड़ी रोकने को कहा। पुलिस ने गाड़ी नहीं रोकी और आगे निकल गई। हमलावर हमें लगातार पीटते रहे। करीब 20-25 मिनट बाद पुलिस की एक गाड़ी आई। मैं भागकर वहां पहुंचा और जान बचाने को गाड़ी में बैठ गया। हमलावरों ने हमें पुलिस गाड़ी के अंदर से निकाल लिया और खूब पीटा। पुलिसवाले भी हमें गाड़ी से बाहर निकालने में मदद कर रहे थे। कह रहे थे कि तुम्हारी वजह से हमारी गाड़ी तोड़ देंगे ये लोग। मैंने कहा कि सर तुम्हें अपनी गाड़ी की फिक्र हो रही है, हमारी जान की नहीं।

बाराबंकी में पति-पत्नी, जीजा समेत 4 की मौत, भाई की सगाई करके कानपुर से लौट रहे थे,अर्टिगा पिचक गई

लखनऊ। बाराबंकी में ट्रक और अर्टिगा कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार प्रॉपर्टी डीलर, उनकी पत्नी और जीजा समेत 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चों समेत 3 लोग घायल हो गए। प्रॉपर्टी डीलर पत्नी के भाई की सगाई में शामिल होकर परिवार के साथ कानपुर से गोंडा लौट रहे थे।

सोमवार सुबह साढ़े पांच बजे लखनऊ-बहराइच हाईवे पर रामनगर में हादसा हो गया। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया गया। टक्कर से कार का एयरबैग खुला, लेकिन आगे बैठे किसी की जान नहीं बच गई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिस हाईवे पर हादसा हुआ है। उस डिवाइडर नहीं बना है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है।मृतकों की पहचान गोंडा के मालवीय नगर निवासी प्रॉपर्टी डीलर सुधीर मौर्य (35), उनकी पत्नी शांति (33), जीजा रमाशंकर (38) और ड्राइवर अयान कुरैशी (23) के रूप में हुई है। जबकि पूजा कुशवाहा (32), अक्ष (9) और अनवी (5) गंभीर रूप से घायल हैं। सुधीर की पत्नी शांति कॉस्मेटिक की दुकान चलाती थीं।प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के वक्त सड़क खाली थी और सभी गाड़ियां तेज रफ्तार में चल रही थीं। अर्टिगा कार की स्पीड करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे रही होगी। अचानक कार का बैलेंस बिगड़ गया और वह सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद मैं दौड़कर मौके पर पहुंचा। देखा तो कार सवार तड़प रहे थे। थोड़ी देर में कई लोग और आ गए। हम लोगों ने सभी को किसी तरह बाहर निकाला। इसके बाद सभी को अस्पताल भिजवाया गया।हादसे के बाद 2 किमी लंबा जाम लगा हादसे के बाद हाईवे पर 2 किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया था। पुलिस ने एक घंटे की मेहनत के बाद जाम खुलवाया। रिश्तेदार राधेश्याम मौर्य ने बताया कि शांति के भाई की सगाई कानपुर में थी। सुधीर परिवार के साथ उसमें शामिल होने गए थे। देर रात लौटते वक्त यह हादसा हुआ।एइ विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया- थाना रामनगर में एक कार और ट्रक में टक्कर हुई है। हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है, जबकि 3 लोग गंभीर घायल हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में घायल सभी लोगों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को कब्जे में ले लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर द्वारा किया गया विराट ज्ञान संगम का आयोजन

नोएडा। सेक्टर 52 स्थित वेडिंग विला इंप्रेशन हॉल में बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर द्वारा विराट ज्ञान संगम का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले से बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महासचिव सहित अन्य अधिवक्ता सम्मिलित हुए कुल 538 अधिवक्ता इस सम्मेलन में अन्य जिलों से उपस्थित हुए इसके अतिरिक्त गौतम बुद्ध नगर के अधिवक्ता उपस्थित थे। यह आयोजन तीन चरणों में किया गया प्रथम चरण में मुख्य अतिथि सभापति विधान परिषद, उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि कृपाल सिंह ऊर्जा सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश उपस्थित हुए उनके समक्ष धारा 129 पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता दिल्ली

के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश अग्रवाल के द्वारा जीएसटी में आ रही विसंगतियों के ऊपर अधिवक्ताओं को ज्ञान अर्जन कराया गया। द्वितीय सत्र में उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जीएसटी में व्यापारियों को आ रही परेशानियों के संबंध में अधिवक्ताओं के द्वारा बताया गया और उसके निस्तारण हेतु। आगे की कार्रवाई शासन के समक्ष रखने हेतु कहीं गई। तृतीय सत्र में सांसद डॉ महेश शर्मा की उपस्थिति में संस्था की स्मारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। नवगठित कार्य कारिणी का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से संस्था के पेट्रन और पी यादव अध्यक्ष श्री डी के शुक्ला महासचिव प्रदीप शर्मा, उपाध्यक्ष रेनू त्यागी, कोषाध्यक्ष, राजेश यादव, चेयरमैन, अरविंद कालरा, मुख्य आयोजक दिनेश शुक्ला, राघवेंद्र दुबे, प्रमेंद्र भाटी,गोरेलाल कुमार सहित तमाम गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मातृ शिशु कल्याण महिला कर्मचारी संघ की बैठक में समस्या पर चर्चा हुई

रायबरेली। श्रीमती रेनू यादव स्वास्थ्य कार्यकर्ता (संविदा) के पद पर सी0एच0सी0 हरचन्दपुर में कार्यरत है। वहां पर आरती सिंह बी0पी0एम0 जो कि विगत 15 वर्षों से तैनात हैं, उनके द्वारा नर्सिंग होम रायबरेली में चलाया जा रहा है। इनके द्वारा श्रीमती रेनू यादव पर अनैतिक दबाव बनाया जाता है कि तुम मेरे यहां मरीजों को भेजो या तुम्ही भर्ती हो जाओ तथा रिश्वत की मांग करती है, रिश्वत

नहीं देने पर ये श्रीमती रेनू यादव के साथ अभद्रता करते हैं तथा संविदा समाप्त करने की धमकी देती है। उक्त संविदा कर्मी को मानसिक व आर्थिक रूप से आरती सिंह बी0पी0एम0 द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है तथा आत्महत्या करने के लिये उकसाया जा रहा है। उक्त संविदाकर्मी कभी भी आत्महत्या कर सकती है, जिसकी जिम्मेदार आरती सिंह बी0पी0एम0 व इनके सहयोग में सम्मिलित कर्मचारी/अधिकारों की होगी। पूर्व में भी कई भ्रष्टाचार के मामलों में आरती सिंह बी0पी0एम0 लिप्त पायी गयी। जांच होने पर बी0सी0पी0एम0 देवेन्द्र विक्रम सिंह व संगिनी मंगेश की सेवायें समाप्त कर दी गयीं, किन्तु आरती सिंह बी0पी0एम0 अपनी ऊँची पहुंच व अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ करके अपने आपको बचा लिया। यदि उपरोक्त आरती सिंह बी0पी0एम0 के द्वारा किये गये भ्रष्टाचार व इसकी सांठ-गांठ में शामिल लोगों की उच्च स्तरीय जांच करायी जाये तो सत्यता स्वतः परिलक्षित हो जायेगी, कि इनके द्वारा पूर्व में कितने भ्रष्टाचार किये गये हैं। आपके संज्ञान में यह भी लाना अति आवश्यक है कि श्रीमती रेनू यादव स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा दिनांक 31.05.2025 को एक प्रार्थना पत्र संगठन को दिया है, जो आपके साथ-साथ अन्य को पृष्ठांकित है, जिसमें अंकित है कि उपरोक्त श्रीमती रेनू यादव स्वास्थ्य कार्यकर्ता काफी परेशान व मानसिक रूप से पीड़ित है और आत्महत्या करने की बात भी अंकित है। संगठन द्वारा उपरोक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ता को काफी समझाया-बुझाया गया कि वह इस प्रकार का कृत्य न करें, हम सभी मिलकर श्रीमती आरती सिंह बी0पी0एम0 के विरूद्ध कार्यवाही करवाये जाने हेतु प्रार्थना पत्र देकर (1)उसकी सेवायें अवश्य समाप्त करवायेंगे। कृपया प्रकरण की गम्भीरता को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमती आरती सिंह बी0पी0एम0 के विरुद्ध उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करवाये जाने की कृपा की जाये, जिससे श्रीमती रेनू सिंह स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ-साथ अन्य पीड़ितों को भी न्याय मिल सके।2 यह कि आरोग्य मेले में स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) की ड्यूटी लगायी जाती है. किन्तु वैक्सीन कैरियर नहीं पहुंचाया जाता है, स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्वयं सम्बन्धित सी0एच0सी0 जाकर वैक्सीन कैरियर लेकर आती हैं और

पत्रकारों को भ्रामक एवं पक्षपातपूर्ण खबरों से बचने की नसीहत

बारा प्रयागराज। क्षेत्र के

नीबी, लोहगरा के पंचायत भवन में सोमवार को आयोजित पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज यूपी संघ के बैनरतले पत्रकार संघ की बैठक में पक्षपातपूर्ण एवं भ्रामक खबरों को प्रकाशित न करने तथा सभी पत्रकार साथियों से एकजुट होकर पत्रकारिता जैसे पुनीत कार्य करने की नसीहत दी गई। संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पी सी पाण्डेय ने सभी पत्रकारों से एकजुट रहने एवं पत्रकारिता को एक मिशन मान कर कार्य करने की सलाह दी। प्रदेश संरक्षक कमलाकर सिंह एवं जिलाध्यक्ष प्रयागराज सुभाष शुक्ला ने पत्रकारों को भ्रामक एवं पक्षपातपूर्ण खबरों को प्रकाशित न करने की नसीहत दी। तहसील अध्यक्ष बारा रावेंद्र तिवारी ने पत्रकार हितों एवं उनके दुखदर्द में सहयोग की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे बारा विधायक डॉ0 वाचस्पति ने पत्रकारों द्वारा किए जा रहे पत्रकारिता जैसे पुनीत कार्य की सराहना की। और पत्रकारों के किसी भी परेशानी में सहयोग की बात कही। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री सुरेश चन्द्र पाण्डेय ने किया। संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहमति से राकेश चन्द्र शुक्ल उर्फ भोला गर्ग को बारा तहसील इकाई के संरक्षक पद का दायित्व दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमलाकर सिंह,अशोक पाठक,सुरेश चंद्र पाण्डेय सोनू भटनागर,सुभाष शुक्ल,मोहम्मद सलीम,सुरेन्द्र कुमार,रावेंद्र तिवारी,राहुल यादव,मोहम्मद अली,नीरज केशरवानी, मनोज कुमार मिश्रा, राकेश मिश्रा, नईम अहमद, भानू मिश्रा, राम सिंह कबीर,वीरेन्द्र कुमार मिश्रा, रत्नेश केशरवानी, माजिद अहमद,राकेश कुशवाहा, मनोज कुमार बिंद, मदन कुमार,आशीष विश्वकर्मा, दीपक पाण्डेय, छोटू बड़गैया,शिवेंद्र मिश्रा,सोनू दुबे, सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

सदर विधानसभा में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा एवं शौर्य यात्रा पर विधायक अदिति सिंह का हुआ सम्मान

रायबरेली।सदर विधायक श्रीमती अदिति सिंह को राही ब्लॉक के सभागार में पूर्व सैनिक सयुक्त संस्थान द्वारा सम्मानित किया।सदर विधायक के नेतृत्व में 25 मई 2025 को सदर विधानसभा क्षेत्र

में एक ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा एवं शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया था। इस यात्रा का उद्देश्य सैनिकों के मनोबल को बढ़ाना और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाना था। इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों एवं नागरिकों ने सहभागिता की।इस कार्यक्रम के अवसर पर सदर विधायक को सैनिकों के सम्मान एवं मनोबलवर्धन हेतु उनके निरंतर प्रयासों और योगदान के लिए राही ब्लॉक सभागार में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस समारोह में सैकड़ों सैनिकों के साथ-साथ जिले के अनेक गणमान्य नागरिक ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को और ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बनाया।उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संयुक्त संस्था, रायबरेली ने इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, सैनिकों के सम्मान और एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से दल बहादुर सिंह अध्यक्ष, जितेन्द्र सिंह, अमरेश त्रिपाठी, राम प्रताप शुक्ला, राजाराम यादव, अजय कुमार, ओम प्रकाश त्रिवेदी, जितेन्द्र जायसवाल, राज कुमार वर्मा , सुन्दर लाल यादव , जिला पंचायत सदस्य राघवेन्द्र सिंह, सभासद एस. पी. सिंह आदि सम्मिलित हुए।

दुर्गा वाहिनी प्रशिक्षण वर्ग का समापन 'जो न माने झंडे से-वो मानेगा डंडे से'

नोएडा विश्व हिन्दू परिषद द्वारा

आयोजित दुर्गा वाहिनी वर्ग का समापन समारोह का भव्य कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर, सेक्टर 12, नोएडा महानगर में संपन्न हुआ जिसमें दुर्गा वाहिनी की बहनों ने शौर्य प्रदर्शन किया. विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय जी का मार्गदर्शन रहा. कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन मंत्री सोहन सोलंकी जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अब भारत में किसी खिलजी के कारण पद्मावती को जौहर न करना पड़े, ऐसे भारत का निर्माण हमको करना है. समारोह में फेलिक्स हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डी. के. गुप्ता जी कार्यक्रम अध्यक्ष रहे. दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका काजल जी, मेरठ क्षेत्रीय संयोजिका विमला शुक्ला जी प्रांत संयोजिका मातृशक्ति अल्का तेवतिया, महानगर अध्यक्षा छाया सिंह, प्रांत शक्ति साधना प्रमुख एकता गुप्ता, जिला छात्रा प्रमुख प्रियांशी तिवारी, मानसी सक्सेना रहे. महानगर मंत्री दिनेश महावर ने सभी सहयोगियों और प्रशासन, पुलिस इत्यादि का धन्यवाद किया. कार्यक्रम में विभाग मंत्री ललित भारद्वाज, महानगर सह मंत्री राजीव शर्मा, प्रवेश द्विवेदी, मंदिर अर्चक पुरोहित संपर्क प्रमुख घनश्याम जी, उपाध्यक्ष सत्यवीर सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, बजरंग दल संयोजक सुमित यादव, समरसता प्रमुख श्यामवीर,एम. के. श्रीवास्तव, धर्म प्रसार प्रमुख जितेन्द्र कुमार, बलोपासना प्रमुख रवि, प्रकाश, श्याम सुंदर, विपुल जौहरी, अमित तुलसन सहित अन्य विभाग और महानगर के अधिकारियों के साथ अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रबंधन में सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान हर हर महादेव, जय श्री राम के नारे लगाते हुए दुर्गा वाहिनी की बहनों का जोश देखते ही बनता था और ऐसा साफ प्रतीत हो रहा था कि अब हमारी बहनें किसी भी प्रकार का अन्याय सहन नहीं करेंगी यदि कोई दुष्ट प्रवृत्ति का व्यक्ती देश के अंदर या देश के बाहर से किसी प्रकार का दुस्साहस करेगा तो उसको मुँह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 07 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 02.06.2025 को थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 07 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

आईटीआई श्रमिक संघ द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार मांगे ना माने जाने पर अनिश्चितकालीन अनशन प्रारंभ किया गया।

रायबरेली। आई.टी.आई. लिमिटेड रायबरेली के मुख्य

प्रवेश द्वार पर आशीष सिंह द्वारा अनिश्चितकालीन अनशन प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर श्रमिक संघ के अध्यक्ष वी. के. शुक्ला, जे.पी. त्रिपाठी, डी.एस. मिश्रा,प्रदेश सचिव, इंटक,राम प्रसाद ,सत्येंद्र बहादुर सिंह, सोमनाथ यादव, रामगोपाल, ए.के.मिश्रा, उमाशंकर चौधरी, ए . पी.पटेल, ओ.पी .द्विवेदी, जगराम वर्मा, ओ .एन. द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे। लिमिटेड रायबरेली के इकाई प्रमुख द्वारा श्रमिकों की 11 सूत्रीय मांगों को न मानने पर श्रमिक संघ रायबरेली के महामंत्री आशीष सिंह द्वारा अनिश्चितकालीन अनशन प्रारंभ किया गया अनशन का आज प्रथम दिन था।आई .टी.आई.

अपने कला और कौशल को निखारने हेतु करें 'स्व-सृजन'- दत्तात्रेय पाण्डेय

प्रयागराज। माननीय प्रधानमंत्री जी के पंच प्रण के मूल सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए विकसित भारत का लक्ष्य लेकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने, अपनी प्राचीन कला, संस्कृति, ग्रामोद्योग की विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रकार के रचनात्मक व रोजगारपरक व्यक्तित्व विकास हेतु प्रशिक्षण कराने के क्रम में प्रयागराज यमुनापार में पहली बार पीयूष ग्रामोद्योग सेवा समिति व यमुनापार लोक संस्कृति परिषद, यमुनापार कलाकार संघ तथा माँ शारदा संगीत समिति एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा छात्र/छात्राओं तथा मातृ शक्तियों को अपने कला और कौशल को निखारने तथा व्यक्तित्व विकास हेतु ' स्व-सृजन ' कार्यशाला का आयोजन दिनांक 07 से 20 जून 2025 तक माँ शारदा संगीत समिति पी0 डी0 ए0 कॉलोनी, नैनी, प्रयागराज में प्रस्तावित है।उपरोक्त कार्यशाला में गायन (शस्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, भजन, लोकगीत, संस्कार गीत)नृत्य (उपशास्त्रीय, लोक नृत्य, ढेढ़िया, कजरी तथा हरियाणवी, असम, झारखण्ड के पारम्परिक लोक नृत्य) वादन (ढोलक, गिटार, तबला एवं सिंथेसिज़र) मेहंदी लगाओ, रंगोली बनाओ, शिल्प कला (मूँज उत्पाद, मैकरम वर्क, बेकरी, अचार-चटनी, गाय के गोबर से मूर्ति व ज्वैलरी निर्माण, अगरबत्ती तथा धूप बत्ती निर्माण, बेस्ट मैटेरियल से क्राफ्ट) आदि विधाओं/ विषयों के विशेषज्ञों द्वारा इनका प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। श्री पाण्डेय ने कहा की ऐसा पहला अवसर है जब एक साथ इतनी बिधाओं का प्रशिक्षण एक साथ, एक ही स्थान पर प्राप्त करने का अवसर सभी यमुनापार वासियों के लिये उपलब्ध है। साथ ही खुद की कला, शिल्प कला, और कौशल को निखार कर उसे एक मंच प्रदान करने का समुचित माध्यम भी ।उपरोक्त कार्यक्रम की जानकारी कार्यशाला के संयोजक अभिषेक सिंह व यमुनापार लोक संस्कृति परिषद के उपाध्यक्ष आशीष शर्मा ने संयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। इस अवसर पर यमुनापार कलाकार संघ के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव, यमुनापार लोक संस्कृति परिषद की महामंत्री श्रीमती नीतू राय, उपाध्यक्ष श्वेता श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार सत्यार्थी तथा दिलीप चौधरी, मुकेश पाण्डेय, ऋषभ चौरसिया, देवराज सिंह, विजय कनौजिया, स्वतंत्र पाण्डेय आदि आयोजन समिति के दायित्व धारियों की उपस्थिति रही।

सोनभद्र, मिर्जापुर

सोन नदी में डुबे व्यक्ति का तीसरे दिन शव हुआ अम्मा टोला से बरामद

डाला सोनभद्र- स्थानीय पुलिस खोजबीन करने का गुहार लगाई

चौकी क्षेत्र के बाडी सोन नदी के किनारे शुक्रवार दोपहर भैंस चराने गए व्यक्ति का शव हुआ बरामद,रो रो कर परिजनों का हुआ बुरा हाल मिली जानकारी के मुताबिक मृतक रमेश यादव उम्र 40 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामरक्षा यादव निवासी बाड़ी गांव जो हर दिन के भांति शुक्रवार को सुबह लगभग ग्यारह बजे भैंस चराने नदी के तरफ गया था डूबने की आशंका जताई जा रही थी जो की चोपन थाने में तहरीर देकर गई थी जिसके उपरांत डाला बारी से बहकर तीसरे दिन रविवार को सुबह साढ़े आठ बजे चोपन थाना क्षेत्र के मिटीहिनी अम्मा टोला सोन नदी के किनारे बालू पर पड़ा हुआ था जिसको मछुआरों ने देखा और इस सूचना मृतक के परिजनों को सूचना दिया गया वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची डाला पुलिस ने शव को कब्जे लेकर अग्रीम कारवाई जुट गई

बीजेपी सरकार मे लोकतंत्र खतरे मे हैःकरमचंद बिंद

सोनभद्र। ओबरा विधानसभा अतिथि के रूप मे पूर्व प्रदेश सचिव क्वाडीनेटर करमचंद बिंद और क्वाडीनेटर विधि सिंह ने कहा की बीजेपी सरकार मे लोकतंत्र खतरे मे है, महिलाओं, युवाओं, दलितों ,पिछड़ों पर अत्याचार चरम पर है, कानून व्यवस्था ध्वस्त है, आए दिन हत्या, बलात्कार, लूट की घटनाएं हो रही हैत उक्त मौके पर इंटक कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरदेव नारायणन तिवारी,नि.जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी, पी सी सी सदस्य आशुतोष दुबे, नि.पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केशरी,नि. जिला महासचिव नागेश मणि पाठक, नि.महासचिव संगीता तिवारी,नि.पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष हिमाचल साहनी, निगम मिश्रा,जिला सचिव संतोष नेताम, संदीप कुमार गुप्ता, रेखा, शशि बाला, मंजु देवी, अहमद हुसैन, रामकृष्ण बैगा प्रधान सूरज वर्मा, विनोद पाठक सिद्धार्थ प्रजापति, सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

के संगठन सृजन बैठक ओबरा नगर में राममंदिर प्रांगण मानसभवन मे बैठक किया गया त कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश मिश्रा ने किया त मुख्य अतिथि नि. प्रदेश सचिव क्वाडिनेटर करमचंद बिंद और क्वाडिनेटर विधि सिंह मौजूद रहे त कार्यक्रम का संचालन नि. जिला महासचिव बाबूलाल पनिका ने किया, इस दौरान पूर्व पी सी सी सदस्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता ईश्वरीय नारायण सिंह ने कहा की संगठन सृजन अभियान से कॉग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगीत कॉग्रेस जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की संगठन सृजन अभियान से जिले मे संगठन को एक नया मूर्त रूप मिलेगा, महिलाओं, युवाओं, दलितों, पिछड़ों की भागीदारी सुनिश्चित कर संगठन को मजबूत किया जाएगा मुख्य

मून स्टार इंग्लिश स्कूल के आर्यवीर सिंह ने पहले प्रयास में आईआईटी-जेईई परीक्षा पास कर रचा इतिहास।

सोनभद्र। म्योरपुर विकासखंड के मून

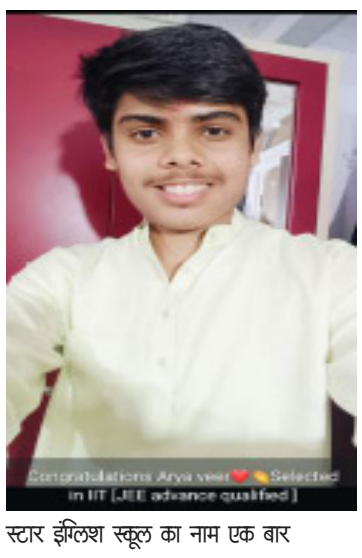

स्टार इंग्लिश स्कूल का नाम एक बार

की प्रशंसा करते हुए कहा, वह हर विषय पर गहरी पकड़ रखता है। उसमें सीखने की तीव्र इच्छा है और यही उसकी सफलता की कुंजी रही। आर्यवीर की सफलता पर उन्हें बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएंठ विद्यालय परिवार में खुशी की लहर प्रधानाचार्या रूपा मिश्रा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा, आर्यवीर की सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। आर्यवीर की यह सफलता और भी विद्यार्थियों के लिए प्रेरक होगा।ठ विद्यालय के प्रबंधक मृणाल रोशन श्रीवास्तव ने कहा, मून स्टार इंग्लिश स्कूल हमेशा से ही बच्चों को तनावमुक्त और रचनात्मक शिक्षा देने पर बल देता है। हमारे शिक्षक

मून स्टार इंग्लिश स्कूल म्योरपुर के प्रतिभाशाली छात्र की असाधारण उपलब्धि।

फिर शैक्षणिक उपलब्धियों के शिखर पर पहुँच गया है। सी बी एस ई द्वारा संबद्ध मून स्टार इंग्लिश स्कूल म्योरपुर विद्यालय के छात्र आर्यवीर सिंह ने आईआईटी-जेईई जैसी देश की प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में अपने पहले प्रयास में ही सफलता हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आर्यवीर न केवल जेईई में सफल रहे, बल्कि सत्र 2024-25 की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में भी विद्यालय टॉपर रहे हैं। यह दोहरी उपलब्धि उनके अथक परिश्रम, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। शिक्षकों का मिला विशेष मार्गदर्शन गणित शिक्षक अभय सिंह ने बताया, आर्यवीर वाकई एक अद्वितीय प्रतिभा है। हमने उसे विशेष समय देते हुए मार्गदर्शन किया। उसकी लगन और समझ ने हमेशा हमें प्रभावित किया। भविष्य के लिए अनत शुभकामनाएं।ठ भौतिक विज्ञान के शिक्षक मो. नौशाद खान ने कहा, हमें पूरा विश्वास था कि वह पहले ही प्रयास में सफलता हासिल करेगा। उसकी मेहनत और धैर्य वाकई प्रशंसनीय हैं। उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ बहुत बहुत बधाई।रसायन विज्ञान की शिक्षिका जया सिंह ने भी आर्यवीर जिस समर्पण से पढ़ाते हैं, आर्यवीर की सफलता उसी प्रयास का सजीव उदाहरण है। देश के केवल 23 सरकारी आईआईटी कॉलेजों में प्रवेश मिलना आसान नहीं होता, और आर्यवीर ने यह उपलब्धि पहले ही प्रयास में प्राप्त की है - यह गर्व की बात है।परिवार और मेहनत का मिला फल अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए आर्यवीर ने कहा, इस सफलता का श्रेय मैं अपने माता-पिता, शिक्षकों और अपनी कठिन मेहनत को देता हूं। आगे भी मैं इसी समर्पण से पढ़ाई करता रहूंगा। आर्यवीर की उपलब्धि से मून स्टार इंग्लिश स्कूल में उत्सव जैसा माहौल है। छात्र, शिक्षक, और अभिभावकों में गर्व और प्रसन्नता की लहर है। यह सफलता न केवल आर्यवीर की व्यक्तिगत जीत है, बल्कि विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का प्रमाण भी है। सोनभद्र जैसे क्षेत्र से निकलकर आईआईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना, निस्संदेह क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। मून स्टार इंग्लिश स्कूल और आर्यवीर सिंह को इस अद्वितीय सफलता के लिए हार्दिक बधाई।

ट्रक के टक्कर से बाइक सवार हुआ घायल

डाला सोनभद्र स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के बाड़ी खन्ना कैंप के प्राप्त जानकारी के मुताबिक धनेश कुमार प्रजापति उम्र 34 वर्ष पुत्र छटंकी

पास रविवार लगभग 10:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए मौके से हुआ फरार बाइक सवार गंभीर रूप से हुआ घायल वहीं स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना कि जानकारी एंबुलेंस 108 नंबर व 112 दिया सूचना दिया सूचना पाकर पहुंचे एंबुलेंस ने घायल युवक को चोपन समुदाय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने पैर को गंभीर बतते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया लाल प्रजापति निवासी रुदौली मिर्जापुर जो बाइक से चोपन की तरफ से डाला की तरफ जा रहे थे जैसे ही बाडी खन्ना कैंप के पास पहुंचे बाइक को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुड़ गई। घायल युवक सिंचाई विभाग में भूमि संरक्षण के पद पर कार्यरत है।

एन्टीरोमियो टीम ने प्रमुख मार्गो चेकिंग-कर किया जगरूक

सोनभद्र। शासन द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा व महिला की गई तथा बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया तथा उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे-

जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति (फेज-05) अभियान के तहत अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियों स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन-शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों में गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा मंदिर/भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

विद्युत तार बस्तियों में लटकने से परेशानी, हादसे की आशंका

सोनभद्र। शक्तिनगर परिक्षेत्र में दर्जनों गांव बस्तियों में जगह-जगह विद्युत केबल लटकने से उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है की काली मंदिर बस्ती में विद्युत केबल इतने नीचे लटके हुए हैं कि टेंपो भी पार करने में समस्या उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों के सर के ऊपर से गुजर रहे केबल नीचे होने से हादसे की आशंका बराबर बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इससे पूर्व तैनात जेई कन्हैया तिवारी से संबंधित विषय पर लिखित अवगत कराया गया था लेकिन आज तक न बस्ती में पोल लगा न उसको ऊंचा करने की कोई व्यवस्था की गई। बरसात मौसम आंधी में और भी विद्युत व्यवस्था चरमरा जाती है। इसलिए लोगों ने मौसम से पूर्व क्षेत्र में विद्युत केबल से लेकर अन्य बिजली उपकरण को सही कराने की मांग की है। वर्तमान में तैनात खड़िया कोटा विद्युत उपकेंद्र के के विकास दुबे ने बताया कि बस्तियों में पोल लगाने के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। जल्द ही बस्तियों में पोल लगाया जाएगा।

हर्षवर्धन यादव ने जेईई एडवांस 2025 भारतीय रैंक 784 तथा ओबीसी रैंक 120 स्थान आने पर जिले का नाम रोशन किया

संशिक्षा शिक्षा के गुरुजनों ने जिले के टॉपर छात्र को मिठाई व पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी

रायबरेली। संशिक्षा एकेडमी को यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व हो

रहा है कि हमारे प्रतिभाशाली छात्र 'हर्षवर्धन यादव' ने जेईई एडवांस 2025 की कठिन परीक्षा में डअखिल भारतीय रैंक 784 तथा ओबीसी रैंक 120 प्राप्त कर रायबरेली सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन, और प्रतिबद्धता का प्रतिफल है, साथ ही यह संस्था द्वारा दी गई उचित दिशा और मार्गदर्शन का भी प्रमाण है। हर्षवर्धन की इस उपलब्धि के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण रहे हैं, जिन्हें हर छात्र और अभिभावक को समझना चाहिए। उन्होंने कक्षा में लगभग पूरी उपस्थिति बनाए रखी और पढ़ाई के समय एकाग्रता को प्राथमिकता दी। वे अनावश्यक बातचीत से पूरी तरह दूर रहते थे और हर दिन का होमवर्क समय पर व नियमित रूप से पूरा करते थे। उन्होंने हमेशा अपने शिक्षकों से जुड़ाव बनाए रखा, किसी भी शंका को तुरंत स्पष्ट किया और मार्गदर्शन को गंभीरता से लिया। उनकी तैयारी में टेस्टों की निरंतरता भी महत्वपूर्ण रही - उन्होंने प्रत्येक टेस्ट को आत्ममूल्यांकन का अवसर माना और अपनी गलतियों से सुधार करते गए। इसके अलावा, उन्होंने फॉर्मूलों और महत्वपूर्ण बिंदुओं की दैनिक पुनरावृत्ति की और एनसीईआरटी की पुस्तकों का गहराई से अध्ययन किया, जिससे उनकी अवधारणाएं और आधार मजबूत होते गए। केवल हर्षवर्धन ही नहीं, बल्कि संशिक्षा एकेडमी के कई अन्य छात्रों ने भी जेईई एडवांस 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अनेक छात्रों ने ऐसे अंक प्राप्त किए हैं जिनसे उन्हें आईआईटीज़, एनआईटीज़ और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश सुनिश्चित हो सकेगा। यह एकेडमी की मजबूत शैक्षणिक संरचना, व्यक्तिगत मार्गदर्शन की नीति और छात्रों के साथ निरंतर संवाद का परिणाम है। संशिक्षा एकेडमी रायबरेली में इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों की तैयारी के लिए एक विश्वसनीय और परिणामोन्मुख संस्थान के रूप में जाना जाता है। संस्था के निदेशक श्री नीरज सोनी, जो स्वयं आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र हैं, का मानना है कि दृढ़ संकल्प, अनुशासित दिनचर्या और सही मार्गदर्शन से कोई भी छात्र उच्चतम शिखर तक पहुंच सकता है। अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से प्राप्त यह सफलता पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। संशिक्षा एकेडमी आने वाले समय में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ छात्रों को उनके लक्ष्यों की ओर अग्रसर करती रहेगी।

दोनों आंखों से अंधी महिला की जहरीले सांप के काटने से हुई मौत, मृतिक महिला का पति भी दोनों पैर से है विकलांग

चोपन/सोनभद्र - थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंदुरिया में एक चौका देने वाली घटना सामने आई। जहां एक जहरीले सांप के काटने की वजह से महिला की मौत हो गई । प्राप्त जानकारी के अनुसार लालती देवी पत्नी लालता भारती उम्र लगभग 45 वर्ष जो दोनों आंखों से अंधी है साथ ही उसका पति भी दोनों पैर से विकलांग है घटना के बारे में बताया गया कि घर के आंगन में अचानक पाला हुआ मुर्गा अचानक जोर जोर से फड़फड़ाने लगा जिसके बाद महिला ने आवाज सुनकर उस स्थान पर पहुंच गई जहां पहले से ही जहरीले सांप ने मुर्गे को अपना शिकार बना चुका था जैसे ही महिला ने मुर्गे को छुना चाहा तभी उसके उंगली में सांप ने काट लिया हो हल्ला सुनकर आसपास के लोग जब पहुंचे तो मुर्गा वहीं मरा पड़ा हुआ था उधर ग्रामीणों ने महिला को अंधविश्वास के तहत झाड़ फूंक करने लगे हालत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल लेकर जाने लगी परन्तु वह रास्ते में ही दम तोड़ दी उधर घटना की सुचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया मौके पर पहुच कर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गये।

गाय माता के रोम रोम में हमारे देवी देवताओं का होता है निवास

सोनभद्र। श्री राम जानकी मंदिर में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा वृंदावन से पधारे कथा व्यास आचार्य मनोहर कृष्ण महाराज के द्वारा भगवान कृष्ण के बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया गया भगवान कृष्ण को पटना के द्वारा करने का प्रयास किया गया पटना अपने स्तनों में कालकूट विश्व धारण करके आई लेकिन भगवान कृष्ण पूतना को सद्गति प्रदान किया भगवान कृष्ण जो माता देवकी को गति प्रदान करनी चाहिए वह गति भगवान ने पटना जैसे रक्षा सिंह को प्रदान किया भगवान बड़े दयालु हैं आगे चलते हुए भगवान को करने के लिए अघासुर बकासुर ढेंकासुर जैसे दायित्व आए लेकिन भगवान कृष्ण खेल ही खेल में उनका उद्धार कर दिया भगवान कृष्ण ब्रज में मुख्य रूप से आने के तीन कारण रहा माखन चोरी माखन का भोग लगाया भगवान की दूसरी लीला गोचरण लीला

गोचरण लीला का मुख्य उद्देश्य भगवान कृष्ण का गौ सेवा करना गावो विश्वास मां तारा भगवान कृष्ण गाय की सेवा करके भोपाल कहलाए गाय के प्रत्येक रोम रोम में हमारे देवी देवताओं का निवास होता है गाय के गोबर में लक्ष्मी गोमूत्र में गंगा का निवास होता है आगे चलते हुए भगवान कृष्ण कालिया नाग का मर्दन किया गिर्राज पूजन 56 भोग का अद्भुत दर्शन मुरलीधर शुक्ला ओमप्रकाश पाठक महेंद्र प्रसाद शुक्ला अजीत शुक्ला आशुतोष पाठक प्रदीप चौरसिया नीतेश सिंह प्रेमकांत, कृपा नारायण मिश्रा, जयप्रकाश गुप्ता, बबलू शुक्ला। लीला गोचरण लीला महारास लीला माखन चोरी लीला का मुख्य उद्देश्य ब्रिज गोपियों के भाव को पूर्ण करना ब्रिज गोपियों के अंदर लाल साथी की भगवान कृष्ण क्या मैया यशोदा के द्वारा ही माखन का भोग स्वीकार करेंगे हम ब्रज गोपी के भाग्य में भगवान को माखन खिलाना नहीं है भगवान अपने उन भक्तों के इच्छा को पूर्ण करने के लिए ब्रिज गोपियों के घर-घर जाकर के

माफियाओं का कहर, वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन, नहीं हो रही कोई सुनवाई

कोन/सोनभद्र-ओबरा वन प्रभाग के वन रेंज कोन अन्तर्गत सम्पूर्ण सेक्सन में वन भूमि पर कब्जा व पेड़ों की कटान बदस्तुर जारी है। इसी क्रम में बताते चलें कि बागेसोती बीट के झारखंड अंतर्राज्जिय सीमा पर झारखंड वासियों द्वारा उत्तर प्रदेश के सीमा के अंदर लगभग 70 मीटर आकर घर तक बना लिया गया है और वहीं खोहिया जंगल, बड़ाप् के ललुआखोह, बेवरा(बरवाहीखोली) अचरज(हड़वरिया) टेवना (घटवरिया) भालुकूदर के धरनवा बॉर्डर, कोन के मिश्री, डोमा, चांचीकलां, नरहटी , हर्रा के पडरक्ष आदि जगहों पर बड़े पैमाने पर पेडों को कटान करके वन भूमि पर कब्जा किया जा चुका है और वहीं दूसरी ओर क्षेत्रों में अबैध खनन व बालू परिवहन धड़ल्ले से चल रहा है। जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों से किया जा चुका है किन्तु संबंधित विभाग द्वारा फर्जी कागजी कोरम पूरा करने का सिलसिला अन्वरत जारी है। जिससे क्षुब्ध होकर आज तड़के बरवाहीखोली , हड़वरिया, घटवारिया में स्थानीय लोगों ने कैलास राम भारती की अगुवाई में वन विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए कहा कि वन विभाग की अफसरशाही नहीं चलेगी ,नहीं चलेगी, वन विभाग की मनमानी नहीं चलेगी, नहीं चलेगी, जंगल की भूमि खाली कराओ ,खाली कराओ , जंगल में पेड़ों की रक्षा करो , फ़र्जी

रिपोर्ट लगाना बंद करो, बंद करो, अबैध खनन पर रोक लगाओ, रोक लगाओ , वन विभाग होश में आओ, होश में आओ, जैसे नारे लगाए गये और कार्रवाई न होने की दशा में आंदोलन करने की बातें कही। जिसके क्रम में वन विभाग से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि कोन वन रेंज के अधिकारियों व कर्मचारियों की अफसरशाही इस कदर बढ़ गई है कि क्षेत्र में कोई भी कर्मचारी गस्त नहीं करता और वहीं स्थानीय वन चौकी वीरान पड़ा है। शिकायत करने पर इनके द्वारा कार्यवाही का आश्वासन देकर सिर्फ फर्जी खानापूर्ति किया जाता है। जिससे अबैध खननकर्ताओं व भू माफियाओं के हौसलें बुलंद हैं और वहीं संबंधित विभाग राजस्व विभाग को पत्राचार कर अपने कर्तब्य की इतिश्री कर लेता है और राजस्व विभाग द्वारा समयाभाव के कारण वन रेंज माफियाओं के गिरफ्त में है जिससे साफ तौर पर वन क्षेत्रों में घर तक देखा जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि वन विभाग द्वारा मौन सहमति देते हुए वन माफियाओं को खुली छूट दे रखी है। जिसके क्रम में कई बार स्थानीय समाचार पत्रों व न्यूज चैनल में खबर प्रकाशित भी हुआ है फिर भी वन विभाग मुकदर्शक् बनकर तमाशबिन बना हुआ है। प्रदर्शन करने वालों में वरिष्ठ समाजसेवी रामचंद्र सिंह, वन समिति अध्यक्ष कचनरवा बिहारी प्रसाद यादव ,भाजपा बूथ अध्यक्ष कचनरवा कैलास राम भारती , रघुवर पासवान, सुदर्शन पनिका, रामअधीन व राम खेलावन यादव , सतन खरवार, विजेंद्र भारती, अजय भारती, मैकू भारती आदि लोग शामिल रहे। जिसके क्रम में लोगों ने बताया कि वन रेंज कोन के कोन, बागेसोती , भालुकूदर, हर्रा में वन भूमि पर अबैध कब्जा करना जारी है वहीं विभाग कार्यवाही के नाम पर शिकायत कर्ताओं से लिखित शिकायत करने की बात कर पल्ला झाड़ लेते हैं ।जब लिखित शिकायत की जाती है तो संबंधित जाँच अधिकारी द्वारा घर बैठे बैठे या किसी को विना सूचना दिये जी पी एस मैप के द्वारा खानापूर्ति करते हुए माफियाओं के बचाव पक्ष में फर्जी जाँच आख्या लगा दी जाती है। इसी क्रम में पर्यावरणविदों ने जंगलों में पेड़ों की अंधाधुंध अबैध कटान व नदियों में अबैध बालू खनन और बोल्डर खनन को लेकर चिंता ब्यक्त किया है।आखिर सबसे बड़ा सवाल उठता है कि संबंधित विभाग इन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं करता, जबकि भ्रष्टाचार के मामले में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिलाने के कटिबद्ध है। वहीं दूसरी तरफ कुछ जानकारों का कहना है कि प्रदेश के मुखिया का जीरो टालरेंस की नीति को वन कर्मियों व माफियाओं द्वारा सरेयाम ठेंगा दिखाया जा रहा है।इस बावत वन क्षेत्राधिकारी कोन से सेल फोन पर सम्पर्क किया गया लेकिन कॉल रीसिव नहीं हुआ। बहरहाल प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा इस मामले में कौन सा कार्यवाही किया जायेगा यह तो वक़्त ही बतायेगा या कागजों में ही सिमट कर रह जायेगा।

वंदेमातरम् गीत सुहावन पावन हिंदुस्तान बा,प्रदुम्न त्रिपाठी

सोनभद्र। शहीद स्मारक आयोजन किया गया जहाँ संस्था प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी ने, लहरत रहै तिरंगा नभ में सबकर ई अरमान बा, वंदेमातरम गीत सुहावन पावन हिंदुस्तान बा सुनाकर वातावरण राष्ट्र भक्ति का सृजित किया। चंदौली से आये कवि शिवदास ने, वंदेमातरम वंदेमातरम वंदेमातरम गावै सेन्हुर , इहां सोहागिनि लुटावैं सेन्हुर सुनाकर गतिज उर्जा दिये। वाराणसी से पधारे कवि रामनरेश पाल ने, खेत किसान सिवान हौ माटी, वीरन के खलिहान हौ माटी सुनाकर वाहवाही लूटी। कवि दिवाकर दिवेदी मेघ ने, दे कुरबानी मिलल अजादी परिपाटी बलिदान के, पहिनि केसरिया लाल निछावर भैलन हिंदुस्तान के सुनाकर महफ़िल लूट लिया। धर्मेश चौहान एडवोकेट ने,, बाल पाल और लाल के धरती बोस भगत के पानी हौ,, वंदेमातरम घर घर गूंजै ई जगती बलिदानी हौ सुनाकर देर तक तालियां बजवाते रहे। दयानंद दयालू ने अपनी रचना,वं वंदेमातरम के नारा हम सौ सौ बार लगाइब धरती मैया के गोंदी में बैठि के गीतिआ गाइब सुनकर श्रोता भावबिह्वल हो गये। संचालन शायर अशोक तिवारी ने किया उनकी रचना, तिरंगा हिंद की पहचान है, शेखर शिवा बिस्मिल का गान है काफी सराही गयी। प्रभात सिंह चंदेल ने,,, दे कुरबानी राखब पानी ई बीरन के थाती, देखा बुझै न भैया बाती सुनाकर देश भक्ति का संचार किये। दिलीप सिंह दीपक ने, वंदेमातरम जैहिंद के धुन घर घर रोज गवाला,हिन्दू मुस्लिम सिक्ख ईसाई सब एह पर मिटि जाला, सुनाकर वतनपरस्ती का संदेश दिया। अध्यक्षता कर रहे रामयश त्रिपाठी ने विशद वक्तव्य राष्ट्रीय चिंतन देकर तथा डाला गोली कांड दो जून को शहीद श्रमिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम स्थगित किया। इस अवसर पर रिषभ मृत्युंजय शिखा ठाकुर गनेश बलिराम आद्या अंशिका हर्ष चौहान पुरुषोत्तम कुशवाहा शिवमोचन अनीशा चौहान फारुक अली हाश्मी प्रधान संगीता तिवारीआदि रहे।

करारी स्थापना वर्ष गांठ के अवसर पर सोमवार दो जून को सुबह झंडा रोहण माल्यार्पण कवि गोष्ठी का आयोजन शहीद स्थल पर किया गया जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद शहीद भगत सिंह की स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण दीपदान संरक्षक रामयश त्रिपाठी ने किया और तिरंगा झंडा फहराया तदुपरांत वंदेमातरम काव्य गोष्ठी का

लोढ़ी गांव में वन भूमि पर निजी कब्जा बना चर्चा का विषय

डीएफओ ने जिस भूमि को वन भूमि बताकर की थी करवाई, अब होने लगी प्लाटिंग

सोनभद्र।केन्द्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार लगातार जीरो टॉलरेंस की बात कर तो रही है लिए क्या धरातल पर जीरो टॉलरेंस की नीति कारगर साबित हो पा रही है?राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष श्रीकांत और पूर्वांचल नव निर्माण मंच के उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने जिला प्रशासन सोनभद्र की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग से सटे लोढ़ी गांव में जिस जमीन को तत्कालीन वनाधिकार संजीव कुमार सिंह ने वन भूमि बताकर अतिक्रमण कर्ताओं पर दंडात्मक कार्रवाई की अपेक्षा तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सोनभद्र से करते हुए नामजद तहरीर भी दिया था उस वन भूमि पर आज निजी लोगों का नाम दर्ज होना और वहां प्लाटिंग किया जाना जिला प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है।

नेता द्वय ने एक बार फिर वर्तमान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सोनभद्र से लोढ़ी गांव में स्थित सर्किट हाउस के बगल की वन भूमि पर की जा रही प्लाटिंग की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

स्पोर्ट्स/स्वास्थ्य

बुमराह ने 5 साल बाद ओवर में 20 रन दिए, 200प्लस डिफेंड करते हुए एमआई की पहली हार, श्रेयस का विनिंग सिक्स

नयी दिल्ली। आईपीएल के क्वालिफायर-2 में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 3 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ फाइनल खेलना भी कन्फर्म कर लिया। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने छक्का लगाकर टीम को जिताया। मुंबई को 200 से ज्यादा रन का स्कोर डिफेंड करते हुए आईपीएल में पहली हार मिली। जसप्रीत बुमराह ने 5 साल बाद 1 ओवर में 20 रन खर्च किए। रोहित शर्मा को जीवनदान मिला, वहीं रीस टॉप्ली ने पीछे की ओर भागते हुए बेहतरीन कैच पकड़ा। आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगे आईपीएल के 18वें सीजन में अब तक 1271 छक्के लग गए। यह किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगने का रिकॉर्ड है। इससे पहले 2024 में 1260 छक्के लगे थे। 18वें सीजन में अब भी एक मैच होना बाकी है। वहीं 200प्लस डिफेंड करते हुए पहली बार हारी मुंबई इंडियंस को 200 या उससे ज्यादा रन स्कोर डिफेंड करते हुए पहली बार हार मिली। टीम ने 18 सीजन में 20 बार पहले बैटिंग करते हुए 200प्लस रन बनाए। रविवार से पहले टीम को 19 बार जीत मिली थी, लेकिन पंजाब ने उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया और 19 ओवर में ही 207 रन बना दिए।पंजाब किंग्स ने चेज हुआ। यह एक सीजन

में सबसे ज्यादा बार 200प्लस चेज का रिकॉर्ड रहा।पंजाब किंग्स को आईपीएल के प्लेऑफ स्टेज में दूसरी ही जीत मिली। टीम 4 मुकाबले हार चुकी है।मुंबई के ओपनर रोहित शर्मा को दूसरे ही ओवर में जीवनदान मिल गया। ओवर की पांचवीं बॉल काइल जैमिसन ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। रोहित शर्मा ने शॉट खेला, लेकिन गेंद थर्ड मैन की ओर हवा में खड़ी हो गई। अजमतुल्लाह ओमरजई ने पीछे की ओर दौड़ लगाकर कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई। मुंबई के रीस टॉप्ली ने पीछे की ओर भागते हुए बेहतरीन कैच पकड़ा। तीसरे ओवर की पहली बॉल ट्रेंट बोल्ट ने लेग स्टंप पर शॉर्ट पिच फेंकी। प्रभसिमरन सिंह ने पुल शॉट खेला, गेंद फाइन लेग की ओर चली गई। टॉप्ली सर्कल के अंदर से बाउंड्री की ओर दौड़े और बेहतरीन कैच पकड़ लिया।जसप्रीत बुमराह 5वें ओवर में बॉलिंग करने आए। जोश इंग्लिस ने उनके खिलाफ 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 20 रन बना दिए। बुमराह ने आईपीएल इतिहास में 5 साल बाद एक ओवर में 20 रन खर्च किए। 2020 में आखिरी बार पैट कमिंस ने उनके खिलाफ 26 रन बनाए थे। 10वें ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने नेहल वाधेरा का आसान सा कैच छोड़ दिया। ओवर की आखिरी बॉल हार्दिक पंड्या ने बाउंसर फेंकी। नेहल वाधेरा ने पुल शॉट खेला, लेकिन गेंद फाइन लेग की ओर चली गई। बाउंड्री पर मौजूद बोल्ट ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई। जीवनदान के वक्त वाधेरा 17 रन पर थे, उन्होंने 48 रन बनाए और टीम को मुश्किल परिस्थिति से निकाला। वाधेरा ने श्रेयस के साथ 84 रन की अहम पार्टनरशिप भी की।पंजाब के शशांक सिंह 2 रन बनाकर रन आउट हुए। 17वें ओवर की चौथी बॉल ट्रेंट बोल्ट ने फुलर लेंथ फेंकी। शशांक ने मिड ऑन की ओर शॉट खेला, गेंद हार्दिक पंड्या के पास गई। हार्दिक ने गेंद उठाई और स्टंप्स की ओर थ्रो कर दिया। बॉल स्टंप्स को लगी और शशांक को 2 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 19वें ओवर में 3 छक्के लगाए। उन्होंने ओवर की आखिरी गेंद पर अश्वनी कुमार के खिलाफ छक्का लगाया और अपनी टीम को क्वालिफायर-2 जिता दिया। श्रेयस ने रीस टॉप्ली के खिलाफ 13वें ओवर में लगातार 3 छक्के भी लगाए थे।पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 के क्वालिफायर-2 में मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने 11 साल बाद आईपीएल के फाइनल में जगह बना ली है। इससे पहले टीम ने 2014 के सीजन का खिताबी मुकाबला खेला था। अब 3 जून को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल खेला जाएगा।

आईपीएल क्लोजिंग सेरेमनी 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर:शंकर महादेवन अपने बेटों के साथ परफॉर्म करेंगे; स्टेडियम को तिरंगे की लाइट से सजाएंगे

नयी दिल्ली। आईपीएल का फाइनल मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। पंजाब किंग्स और रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से पहले क्लोजिंग सेरेमनी होगी। जिसकी थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' है।कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के प्रमुखों को इनवाइट किया गया है। हालांकि, अब तक इनके शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। पूरे स्टेडियम को तिरंगे की लाइट से सजाया जाएगा और इस दौरान सिंगर शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा।क्लोजिंग सेरेमनी में मशहूर सिंगर शंकर महादेवन इंडियन आर्म्ड फोर्सेस के लिए गाना गाकर श्रद्धांजलि देंगे। मंगलवार को शंकर अपने बेटों सिद्धार्थ महादेवन और शिवम महादेवन के साथ परफॉर्म करेंगे। शंकर की परफॉरमेंस ऑपरेशन सिंदूर में शामिल बहादुर सैनिकों को सम्मानित करेगी और पहलगाम हमले में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देगी।क्लोजिंग सेरेमनी 63 एकड़ में फैले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी। क्लोजिंग सेरेमनी की शुरुआत शाम 6 बजे से होगी। शंकर महादेवन के अलावा लोकल

कलाकार परफॉर्म करेंगे।स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क चैनल पर क्लोजिंग सेरेमनी का लाइव टेलीकास्ट होगा। ऑनलाइन लाइव स्ट्रीम जियो हॉटस्टार एप और वेबसाइट पर होगी। बीसीसीआई सेक्रेटरी सचिव देवजीत सैकिया ने बताया 'ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए हमने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के साथ-साथ अन्य सैन्य अधिकारियों और जवानों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल मैच देखने के लिए आमंत्रित किया है।'बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है। सेना के प्रति आभार के प्रतीक के रूप में हमने समापन समारोह सशस्त्र बलों को समर्पित करने का फैसला लिया। इसमें हमारे नायकों को सम्मानित भी किया जाएगा। भले ही क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून रहा है, लेकिन हमारे राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है।8 मई को धर्मशाला में पंजाब-दिल्ली का मैच पाकिस्तान के ड्रोन हमले के कारण बीच में ही रोक दिया गया था। अगले ही दिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ने आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। सीजफायर के ऐलान के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ने आईपीएल के बाकी बचे 16 मैचों के कार्यक्रम की घोषणा की और टूर्नामेंट 17 मई से फिर शुरू हुआ।ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ने लगातार सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता दिखाई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद आईपीएल के 16 मैच खेले गए। ज्यादातर मैचों में राष्ट्रगान बजाया गया। साथ ही स्टेडियम के अंदर विशाल स्क्रीन पर 'धन्यवाद, सशस्त्र बल' संदेश भी दिखाया गया। पहले आईपीएल में राष्ट्रगान नहीं बजाया जाता था। आईपीएल के मैचों में भी राष्ट्रगान बजाने की मांग काफी पहले से होती रही है। आईपीएल की टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक नेस वाडिया ने भी 2019 में यह मांग उठाई थी। इतना ही नहीं, उन्होंने इस बारे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को लेटर भी लिखा था।

आईपीएल फाइनल में किसका पलड़ा भारी:पंजाब के टॉप-3 बैटर्स ने 1511 रन बनाए, बेंगलुरु के पेसर्स ने ज्यादा विकेट झटके

नयी दिल्ली। आईपीएल 2025 का खिताब किसके नाम होगा इसका जवाब आज हमें मिल जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मैच खेला जाना है। आरसीबी ने क्वालिफायर-1 में पीबीकेएस को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, पंजाब किंग्स ने रविवार को क्वालिफायर-2 में मुंबई इंडियंस को हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। आगे पढ़िए फाइनल खेलने वाली दोनों टीमों का परफॉर्मेंस एनालिसिस। इसके लिए 4 पैरामीटर्स तय किए हैं। पंजाब ने मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर रहते हुए लीग स्टेज फिनिश किया था, लेकिन टीम अपने ही घरेलू मैदान पर बेंगलुरु के खिलाफ क्वालिफायर-1 हार गई। बेंगलुरु ने पंजाब को 101 रन पर ऑलआउट किया, फिर 10 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। पंजाब ने क्वालिफायर-2 में मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हराकर दमदार वापसी की। टीम ने जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे पेस अटैक को नाकाम कर 204 रन का टारगेट 19 ओवर में चेज कर डाला। मुंबई की टीम 200प्लस का स्कोर बनाने के बाद आईपीएल इतिहास में पहली बार ही हारी। पंजाब ने आखिरी 7 में से 5 मैच जीतकर पहले स्थान पर रहकर लीग स्टेज फिनिश किया। टीम ने आखिरी मैच में मुंबई को 7 विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में जगह बनाई थी। पंजाब ने इस सीजन कोलकाता के खिलाफ आईपीएल का सबसे छोटा स्कोर भी डिफेंड किया था। पीबीकेएस उन टीमों में शामिल हैं, जो आईपीएल के सभी 18 सीजन का हिस्सा रहीं। 3 बैटर्स की बात करें तो टीम के 2008 में प्रीति जिंटा ने फ्रेंचाइजी को खरीदा। पहले सीजन युवराज सिंह की कप्तानी में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। तब एमएस धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स ने पंजाब को 9 विकेट से हराकर खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पहले सीजन के बाद पंजाब का प्रदर्शन औसत रहा। टीम अगले 5 सीजन के लीग स्टेज से ही बाहर हो गई। फिर 2014 में ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज बेली की कप्तानी में फाइनल में पहुंचकर खिताब की उम्मीदें जगाईं, लेकिन टीम को गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 3 विकेट से हरा दिया। 2014 के बाद पंजाब ने अब जाकर प्लेऑफ और फाइनल में जगह बनाई है। पंजाब ने अब तक 262 आईपीएल मैच खेले। टीम को 122 में जीत और 139 में हार मिली। एक मैच बेनतीजा रहा। पंजाब ने 45.41फीसदी मैच जीते, जबकि 52.67फीसदी मैच गंवाए हैं। प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्या और श्रेयस अय्यर के रूप में मजबूत टॉप ऑर्डर है। प्रभसिमरन और प्रियांश की ओपनिंग जोड़ी इस सीजन 172.08 के स्ट्राइक रेट से 974 रन चुकी है। इनमें एक शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। टॉप-

टॉप ऑर्डर ने 175.08 के स्ट्राइक रेट से 1511 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल रहे। मुंबई के खिलाफ क्वालिफायर-2 में नेहल वधेरा ने कप्तान श्रेयस अय्यर का अच्छा साथ दिया था। जोश इंग्लिस भी अहम पारियां खेल चुके हैं।टीम के पास श्रेयस अय्यर जैसा कप्तान है। इतना ही नहीं, कोच के रूप में रिकी पोंटिंग जैसा मजबूत क्रिकेटिंग ब्रेन भी है। अय्यर ने पिछले साल कोलकाता को चैंपियन बनाया था। अय्यर ने इस सीजन 603 रन बनाए हैं, वे 6 फिफ्टी लगाकर टीम के टॉप स्कोरर हैं। युजवेंद्र चहल का फिट होना पंजाब के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने मुंबई के खिलाफ सूर्यकुमार यादव को पवेलियन भेजा था। चहल सीजन में 15 विकेट ले चुके हैं। पंजाब को फाइनल के लिए अर्शदीप सिंह का मजबूत जोड़ीदार तलाशना होगा। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन 26 मई के बाद से अपने देश लौट गए। वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अपनी नेशनल टीम के साथ हैं। यानसन ने 14 मैचों में 16 विकेट झटके और अर्शदीप का बखूबी साथ निभाया। उनकी जगह अब काइल जैमीसन को शामिल किया गया। पंजाब के पास डेथ ओवर्स में गेंदबाजी के ऑप्शन कम हैं। यानसन के जाने के बाद अर्शदीप का साथ देने के लिए कोई बड़ा गेंदबाज नहीं है। हालांकि, काइल जैमीसन ने यह जिम्मेदारी संभाली है। विजयकुमार वैशाख को डेथ ओवर्स में विकेट निकालने होंगे।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सीजन की टेबल टॉपर पंजाब को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। टीम ने पंजाब को उसी के घर में 60 गेंद बाकी रहते 8 विकेट से हराया था। यह गेंद बाकी रहने के लिहाज से आईपीएल प्लेऑफ की सबसे बड़ी जीत रही। बेंगलुरु के गेंदबाजों ने पंजाब जैसे मजबूत बैटिंग लाइनअप को 101 रन पर समेट दिया। इतना ही नहीं, 10 ओवर में टारगेट चेज भी कर लिया। बेंगलुरु ने आखिरी लीग मैच में लखनऊ के खिलाफ अपना सबसे बड़ा रन चेज कर टॉप-2 में जगह तय की थी। आधे लीग मैच खत्म होने तक बेंगलुरु 4 मैच ही जीत सकी थी और उसके पास 8 अंक थे। यहां से टीम लगातार 4 मैचों में अजेय रही। आरसीबी ने घर से बाहर 7 मैच जीते और लगातार दूसरे सीजन प्लेऑफ में जगह हासिल ली। इस सीजन में बेंगलुरु ने अपने सभी अवे मैच भी जीते हैं।विराट कोहली अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। वे सीजन के 14 मैचों में 55.82 की एवरेज और 146.53 की स्ट्राइक रेट से 614 रन बना चुके हैं। इनमें 8 अर्धशतक शामिल हैं। फिल सॉल्ट भी कोहली का बखूबी साथ दे रहे हैं। सॉल्ट के नाम 387 रन हैं। तीसरे नंबर पर रजत पाटीदार भी बैटिंग ऑर्डर को मजबूती दे रहे हैं।बेंगलुरु के पास क्वालिटी स्पिनर्स की कमी है। सुयश शर्मा और कृणाल पंड्या की जोड़ी मिडिल ओवर्स में रन नहीं रोक पा रही है। दोनों ने लीग स्टेज के आखिरी 2 मैचों में ज्यादा रन खर्च कर दिए। भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल और रोमारियो शेफर्ड भी आखिरी लीग मैचों में महंगे रहे।

मरीज के गॉल ब्लैडर से निकलीं 8125 पथरी,इन 10 लोगों को स्टोन का रिस्क ज्यादा,कारण व बचाव के तरीके

नयी दिल्ली। हाल ही में गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के पित्ताशय से 8,125 स्टोन निकाले। बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से पेट दर्द, बीच-बीच में बुखार, भूख न लगने, कमजोरी और सीने व पीठ में भारीपन जैसी कई समस्याओं से जूझ रहा था। सर्जरी के बाद अब मरीज को इन समस्याओं से राहत मिली है। मेडिसिन की भाषा में इस बीमारी को गॉलस्टोन कहा जाता है और इसे ठीक करने के लिए जो सर्जरी की जाती है, उसे कोलिसिस्टेक्टॉमी कहते हैं। पिछले कुछ सालों में गॉलस्टोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण हमारी खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित खानपान है। ग्लोबल डेटा डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में भारत में गॉल ब्लैडर से जुड़ी लगभग 32.9 लाख सर्जरी की गई थी। वहीं क्लिनिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनिया की लगभग 6प्रतिशत आबादी गॉलस्टोन की समस्या से जूझ रही है। अमेरिका में यह आंकड़ा लगभग 15प्रतिशत है। अनुमान है कि आने वाले समय में यह समस्या और भी तेजी से बढ़ सकती है। हालांकि कुछ सावधानियों और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ गॉलस्टोन के खतरे से बचा जा सकता है। गॉल ब्लैडर (पित्त की थैली)

पेट के दाहिनी ओर, लिवर के ठीक नीचे स्थित एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग है। यह पित्त को स्टोर करता है और जरूरत पड़ने पर उसे छोटी आंत में छोड़ता है। पित्त का काम भोजन में मौजूद फैट को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर उन्हें पचाने में मदद करना है। वहीं जब गॉल ब्लैडर में पथरी (स्टोन) बन जाती है तो इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे खाना पचाना मुश्किल हो जाता है और पेट दर्द, अपच जैसी समस्याएं होने लगती हैं।जब हमारे पित्ताशय के भीतर मौजूद पित्त में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन जैसे तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये अतिरिक्त तत्व पित्ताशय की दीवारों पर जमा होने लगते हैं। समय के साथ ये कठोर होकर पथरी यानी स्टोन का रूप ले लेते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे कौन-से कारण हैं, जो पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकते हैं।अगर आप ज्यादा फैट खा रहे हैं और आपके खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो पित्त में भी इसकी मात्रा बढ़ जाएगी। वह एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल पित्ताशय की दीवारों पर जमा हो जाता है और धीरे-धीरे स्टोन का रूप ले लेता है।बिलीरुबिन एक बाय-प्रोडक्ट है, जो रेड ब्लड सेल्स के टूटने से बनता है। अगर शरीर में बहुत अधिक बिलीरुबिन है तो इसका कारण यह हो सकता है कि व्यक्ति को कोई ब्लड डिसऑर्डर है, जो बहुत अधिक रेड ब्लड सेल्स को खराब कर रहा है या फिर लिवर में कोई समस्या है। जरूरत से ज्यादा बिलीरुबिन भी पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकता है।कुछ बीमारियां 'बाइल एसिड मालएब्सॉर्प्शन' का कारण बन सकती हैं, जिसका मतलब है कि शरीर से शौच के रास्ते बहुत ज्यादा बाइल एसिड निकल रहा है। बाइल एसिड की कमी के कारण पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पथरी बनने का खतरा होता है।अगर गॉल ब्लैडर ठीक ढंग से काम नहीं कर पाता है तो वह पित्त को खाली नहीं कर पाता है। ऐसे में पित्त गाढ़ा होकर जमने लगता है और स्टोन बनने लगते हैं।कुछ लोगों में गॉलस्टोन का खतरा ज्यादा होता है। इसकी वजहें शरीर की स्थिति, लाइफस्टाइल या जेनेटिक्स से जुड़ी हो सकती हैं।गॉलस्टोन के कई मामलों में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे 'साइलेंट स्टोन' भी कहा जाता है। लेकिन जब यह स्टोन पित्त नली में फंस जाते हैं तो तेज दर्द के साथ मतली, उल्टी और पीलिया जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसका सबसे बेहतर इलाज गॉल ब्लैडर हटाने की सर्जरी है। ये आमतौर पर लेप्रोस्कोपिक तकनीक से होती है और बहुत सुरक्षित मानी जाती है। इसे निकालने के बाद भी व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है क्योंकि सर्जरी के बाद पित्त सीधा लिवर से छोटी आंत में पहुंचता है। अगर गॉल ब्लैडर में ज्यादा सूजन, इन्फेक्शन या जख्म हो तो डॉक्टर ओपन सर्जरी की भी सलाह दे सकते हैं।

राशि फल

कुछ खास जानकारियों को जानने का मौका मिलेगा। काफी समय से कोई रुका हुआ काम आज पूर्ण होने से मन प्रसन्न रहेगा। आपकी योग्यता व क्षमता की लोग सराहना करेंगे। मित्रों के साथ मेल-मुलाकात होगी तथा खुशनुमा माहौल बनेगा।	अनुभवी लोगों के संपर्क में रहने से आपको नए-नए अनुभव मिलेंगे। संपत्ति संबंधी विवाद किसी की मध्यस्थता से हल हो सकते हैं, इसलिए प्रयासरत रहें। कुछ समय प्रकृति के साथ रहने से आपको मानसिक सुकून भी मिलेगा।	दिन की शुरुआत में ही अपने महत्वपूर्ण काम संबंधी योजना बना ले। क्योंकि दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में बहुत ही अनुकूल हैं। आपके काम स्वतः ही बनने शुरू हो जाएंगे।	आज आप किसी भी परिस्थिति में समाधान ढूंढ ही लेंगे। यह समय आत्म मनन तथा आत्मनिरीक्षण करने का समय है। अपनी कुशलता व समझदारी द्वारा किसी कार्य के उत्तम परिणाम हासिल करने में सक्षम रहेंगे।
ग्रह स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। समय अनुसार अपने व्यवहार और दिनचर्या में परिवर्तन लाना आपको सकारात्मक बनाएगा। साथ ही आपके व्यक्तित्व में भी और अधिक निखार आएगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

दीपिका कक्कड़ को सेकेंड स्टेज लिवर कैंसर:9 लक्षण न करें इग्नोर, किन्हें है ज्यादा रिस्क, डॉक्टर से जानें जरूरी बातें

नयी दिल्ली। पॉपुलर टीवी सीरियल 'ससुराल सिमर का' फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ को लिवर कैंसर के दूसरे स्टेज का पता चला है। दीपिका ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी है।पिछले कुछ सालों में अनहेल्दी लाइफस्टाइल और खराब खानपान के कारण लिवर से जुड़ी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, साल 2022 में दुनियाभर में लिवर कैंसर से लगभग 7.6 लाख लोगों की मौत हुई। वहीं भारत में 38,703 केस दर्ज हुए थे, जिनमें से 36,953 लोगों की जान चली गई थी। जर्नल ऑफ हेपेटोलाजी में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2020 से 2040 के बीच दुनिया में लिवर कैंसर के नए मामलों और मौतों में 55फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है, जो कि चिंता का विषय है। हालांकि कुछ सावधानियों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके इस गंभीर बीमारी के खतरे को कम किया जा सकता है।लिवर कैंसर तब होता है, जब लिवर की कोशिकाओं के डीएनए में बदलाव आने लगता है, जिससे कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं। हैरानी की बात यह है कि इसके शुरुआती स्टेज में कोई खास लक्षण नहीं दिखते, जिस कारण यह देर से पकड़ में आता है। बता दें कि लिवर शरीर का सबसे बड़ा और बेहद जरूरी ऑर्गन है, जिसके बिना जीवन संभव नहीं है। यह खून को फिल्टर करने के साथ-साथ पाचन और डिटॉक्सिफिकेशन सहित करीब 500 जरूरी काम करता है। लेकिन जब लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो जाती है तो यह जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।लिवर कैंसर दो तरह का होता है। प्राइमरी लिवर कैंसर, जो लिवर में ही शुरू होता है। सेकेंडरी लिवर कैंसर, जो शरीर के किसी दूसरे हिस्से (जैसे इंटेस्टाइन, लंग्स या ब्रेस्ट) से लिवर तक फैलता है। प्राइमरी लिवर कैंसर मुख्य रूप से तीन तरह के होते हैं।इसे कोलेंजियोकार्सिनोमा या पित्त नली का कैंसर भी कहते हैं, जो लिवर के अंदर होता है। यह सभी प्राइमरी लिवर कैंसर के मामलों में लगभग 10फीसदी से 20फीसदी तक होता है।यह बहुत ही रेयर टाइप का कैंसर है, जो सभी प्राइमरी लिवर कैंसर के मामलों में लगभग 1फीसदी होता है। यह कैंसर लिवर में ब्लड वेसल्स की अंदरूनी लेयर में शुरू होता है। यह शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।लिवर कैंसर तब होता है, जब हेल्दी लिवर सेल्स का डीएनए किसी वजह से बदल जाता है। डीएनए वो कोड या निर्देश होता है, जो हमारी कोशिकाओं को बताता है कि उन्हें कैसे काम करना है, कब बढ़ना है और कब मरना है। जब डीएनए में गड़बड़ी हो जाती है तो कोशिकाएं गलत तरीके से काम करने लगती हैं। वे बिना रोक-टोक के बढ़ने लगती हैं और समय पर मरती नहीं, जिससे कैंसर बनने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ बीमारियां और लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याएं भी लिवर सेल्स के डीएनए को नुकसान पहुंचा सकती हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा सकती हैं।लिवर कैंसर की शुरुआत अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के होती है, इसलिए यह बीमारी अक्सर देर से पकड़ में आती है। जैसे-जैसे कैंसर बढ़ता है, शरीर कुछ संकेत देने लगता है। इन लक्षणों को समझना और समय पर जांच करवाना बेहद जरूरी है, खासकर उन लोगों के लिए जो पहले से लिवर से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। लिवर कैंसर का सबसे बड़ा कारण लंबे समय तक हेपेटाइटिस बी और सी का इन्फेक्शन है। ये इन्फेक्शन धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचाते हैं और सिरोसिस जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं, जो आगे चलकर लिवर कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी कुछ खराब आदतें और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी इस बीमारी के खतरे को बढ़ा सकती हैं। नीचे दिए गए ग्राफिक से इसे समझिए- इसका इलाज कैंसर की स्थिति, ट्यूमर के आकार और मरीज की सेहत के आधार पर किया जाता है। लिवर कैंसर के इलाज के लिए डॉक्टर मेडिकल ट्रीटमेंट और सर्जरी दो तरीके अपनाते हैं।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस के वाजरहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने के बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे वो किसी ऐसे 'घोड़े बेचके सोने वाले' रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब

मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापस जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की।

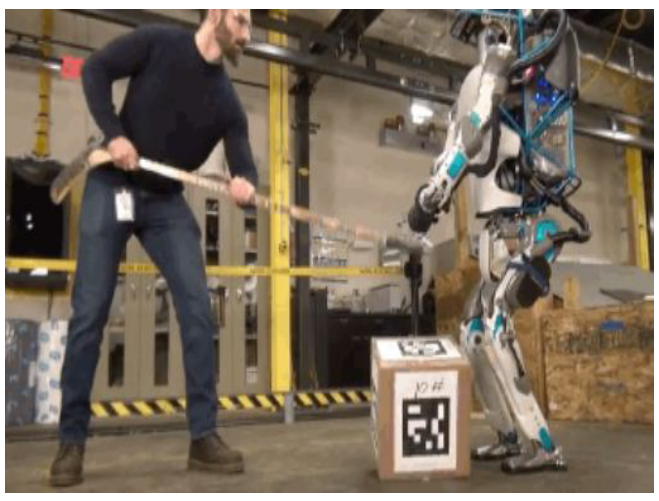

भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

अब गाजा में युद्ध का अंत चाहते हैं इजराइल के लोग

मैं इजराइल में एक सप्ताह बिताकर लौटा हूं और मैंने वहां 7 अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार कुछ नया महसूस किया। इसे एक व्यापक युद्ध-विरोधी आंदोलन कहना तो जल्दबाजी होगी, क्योंकि वह तभी हो सकता है जब सभी इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया जाए। लेकिन मैंने इस बात के स्पष्ट संकेत देखे कि बहुतेरे इजराइली लोग- फिर चाहे वे किसी भी विचारधारा के क्यों न हों- इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि यह युद्ध जारी रखना इजराइल के लिए एक आपदा है : नैतिक के साथ ही कूटनीतिक या रणनीतिक रूप से भी।पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने समाचार पत्र हारेत्ज में एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ओलमर्ट ने कहा कि इजराइल की सरकार बिना किसी उद्देश्य, लक्ष्य या स्पष्ट योजना के और किसी सफलता की संभावना के बिना ही युद्ध लड़ रही है। उन्होंने कहा, हम गाजा में जो कर रहे हैं, वह विनाशलीला है : नागरिकों की अंधाधुंध, असीमित, क्रूर और आपराधिक हत्या। उनका निष्कर्ष था कि हां, इजराइल युद्ध-अपराध कर रहा है।नेतन्याहू की अपनी दक्षिणपंथी पार्टी के सदस्य एमिट हलेवी जैसे लोग- जो कि युद्ध के कट्टर समर्थक रहे हैं- को लगता है कि क्रियान्वयन में गड़बड़ी हो रही है। हलेवी की विदेश मामलों और रक्षा समिति की सदस्यता नेतन्याहू के गठबंधन द्वारा निलंबित कर दी गई थी, क्योंकि उन्होंने इजराइली रिजर्विस्टों के लिए आपातकालीन कॉल-अप आदेश जारी करने की सरकार की क्षमता का विस्तार करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था।अपनी बर्खास्तगी के बाद एक अखबार को दिए साक्षात्कार में हलेवी ने कहा : 'यह युद्ध एक धोखा है।' उन्होंने अपनी उपलब्धियों के बारे में हमसे झूठ बोला है। इजराइल 20 महीनों से लड़ रहा है और वह हमास को नष्ट करने में सफल नहीं हो रहा है।वहीं इजराइल के उदारवादी गठबंधन के नेता यायर गोलान ने इजराइल रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अगर हम एक समझदार देश की तरह व्यवहार करना नहीं सीखते हैं, तो इजराइल दक्षिण अफ्रीका की तरह एक बहिष्कृत राष्ट्र बनने की डगर पर है।एक समझदार देश नागरिकों के खिलाफ नहीं लड़ता है, बच्चों को नहीं मारता है और आबादी को अपनी रहने की जगहों से बाहर निकालने का लक्ष्य नहीं रखता है। गोलान- जो खुद गाजा-युद्ध के नायक रह चुके हैं- ने स्पष्ट किया कि वे इजराइली सेना नहीं, उन राजनेताओं को दोष दे रहे हैं, जो युद्ध को ऐसे कारणों से बढ़ा रहे हैं, जिनका राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं। आज किसी भी स्वतंत्र विदेशी पत्रकार को गाजा से सीधे रिपोर्ट करने की अनुमति नहीं दी जा रही है- इजराइली सेना के बिना। जब युद्ध खत्म होगा और गाजा अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों और फोटोग्राफरों से भर जाएगा, तब जाकर वहां से मृत्यु और विनाश की पूरी रिपोर्ट सामने आएंगी। वह इजराइल और यहूदी-समुदाय के लिए बहुत बुरा समय होगा। यही कारण है कि गोलान ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब युद्ध रोक जाएं, युद्ध-विराम करें, बंधकों को वापस लाएं, गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय और अरब सेना भेजें और बाद में हमास के अवशेषों से निपटें। उन्होंने कहा, जब आप पहले ही गड्ढे में हों तो और खुदाई करना बंद कर दें। लेकिन नेतन्याहू खुदाई जारी रखने पर अड़े हुए हैं। उनका दावा है कि वे हमास पर दबाव बनाकर इजराइली बंधकों को लौटा ला सकते हैं। वहीं उनके गठबंधन के धुर-राष्ट्रवादी सदस्यों ने भी उनसे कहा है कि अगर वे युद्ध बंद कर देते हैं, तो उनका तख्तापलट कर दिया जाएगा। इसलिए इजराइली सेना अधिक से अधिक सेकंडरी-टारगेट्स पर हमला कर रही है, और नतीजा यह है कि हर दिन नागरिक मारे जा रहे हैं। हारेत्ज के सैन्य विश्लेषक अमोस हारेल ने बताया कि हमास नेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे कई बमबारी अभियान वास्तव में सामूहिक हत्या के प्रयास हैं, अक्सर तब, जब वे अपने परिवार के साथ होते हैं। ये अधिकारी अब निजी घरों या अपार्टमेंट इमारतों में नहीं रहते। वे अमूमन हजारों नागरिकों के साथ भीड़ भरे कैंपों में रहते हैं। सेना चाहे जितनी सावधानी बरते, इन हमलों के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की हत्याएं होती हैं। लेकिन इजराइल के लोग गाजा में हताहतों की बढ़ती संख्या के चलते ही युद्ध के खिलाफ नहीं हो रहे हैं। हकीकत यह है कि युद्ध ने पूरे समाज को थका दिया है। इसके संकेत आज आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या से लेकर टूटते परिवारों और ढहते व्यवसायों तक सब तरफ नजर आ रहे हैं।गाजा में भी युद्ध-विरोधी आंदोलन जोर पकड़ता दिख रहा है। फिलिस्तीनी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड सर्वे रिसर्च के सर्वे में पाया गया कि गाजा पट्टी के 48फीसदी लोगों ने हाल में कई जगहों पर हुए हमास- विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन किया हैं।

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते,

कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

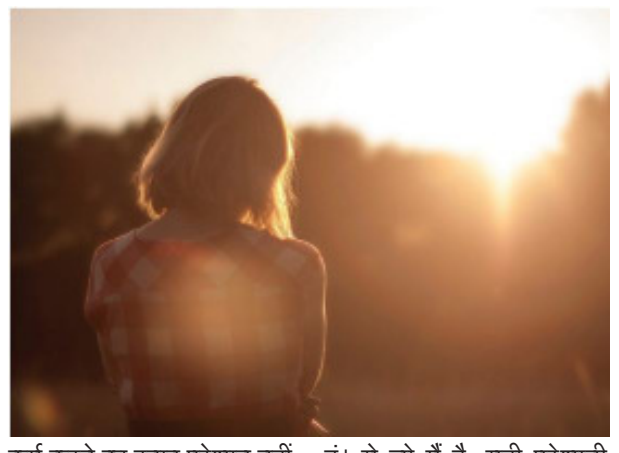

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई

एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिए: हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिए: कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिए: कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उम्र वालों के लिए: नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के

पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है। चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो

अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें। रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

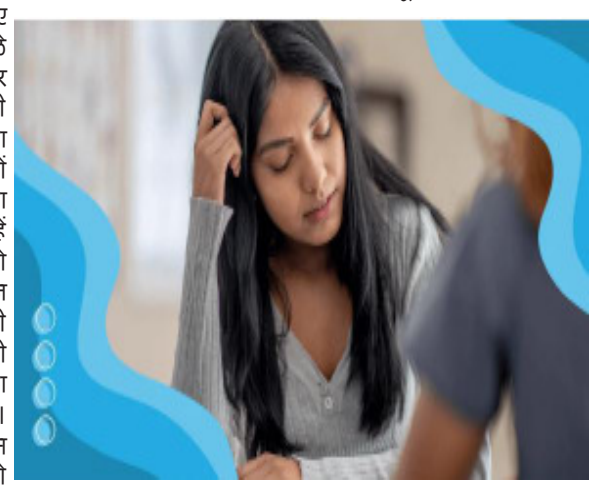

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5इ से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

भारत में वेश्यावृत्ति लीगल, अमेरिका में अपराध, सेक्स वर्कर्स डे पर जानिए, क्यों कहते हैं प्रॉस्टिट्यूशन को दुनिया का सबसे पुराना पेशा

नयी दिल्ली। आज इंटरनेशनल डे फॉर सेक्स वर्कर्स है। आपको लग सकता है कि जो पेशा कानून और समाज की नजर में अपराध है, उसके लिए इंटरनेशनल लेवल पर कोई खास दिन कौन मनाएगा? अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आपकी सोच के तीनों हिस्से गलत हैं एक तो कानूनन भारत में वेश्यावृत्ति अपराध नहीं है।सामाजिक तौर पर वेश्यावृत्ति दुनिया के सबसे पुराने पेशों में से एक है।दुनिया में 300 से ज्यादा संगठन ऐसे हैं जो सेक्स वर्कर्स के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं।सेक्स वर्कर्स की ये दुनिया सीधे-सीधे ब्लैक/व्हाइट में नहीं बंटी है। समय और देश की सीमाओं के साथ-साथ ये दुनिया बहुत जटिल होती जाती है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में वेश्यावृत्ति पूरी तरह गैर-कानूनी है, लेकिन पोर्नोग्राफी लीगल है। भारत में वेश्यावृत्ति अपराध नहीं है, लेकिन इसका प्रचार अपराध है।सेक्स वर्क और सेक्स वर्कर्स के कानूनी स्टेटस पर पूरी दुनिया में अलग-अलग स्थिति है। कहीं-कहीं तो एक ही देश के राज्यों में अलग-अलग कानून है। सेक्स वर्कर्स की परिभाषा भी हर जगह एक नहीं है। कुछ जगहों पर सेक्स वर्कर का मतलब सिर्फ प्रॉस्टिट्यूट्स यानी वेश्या होता है। जबकि कई देशों में पोर्न इंडस्ट्री, स्ट्रिपर क्लब, वेश्यालय चलाने वाले सभी सेक्स वर्कर्स की कैटेगरी में आते हैं। 2022 के अपने एक जजमेंट में सुप्रीम कोर्ट ने वेश्यावृत्ति को 'पेशा' माना है। दरअसल, भारतीय कानून के तहत वेश्यावृत्ति हमेशा ही लीगल रहा है। यानी पैसे के बदले सेक्स कानूनन अपराध नहीं है। लेकिन इससे जुड़ी कुछ चीजों को अपराध माना गया है- अगर वेश्यावृत्ति से पहले पैसों के लेन-देन पर बात यानी 'सॉलिसिटेशन' हो। अगर वेश्यावृत्ति संगठित तौर पर हो रही हो, यानी वेश्यालय चल रहा हो। अगर वेश्यावृत्ति का किसी भी तरह से प्रचार किया जा रहा हो। अगर किसी से जबरदस्ती वेश्यावृत्ति करवाई जा रही हो। 2022 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले

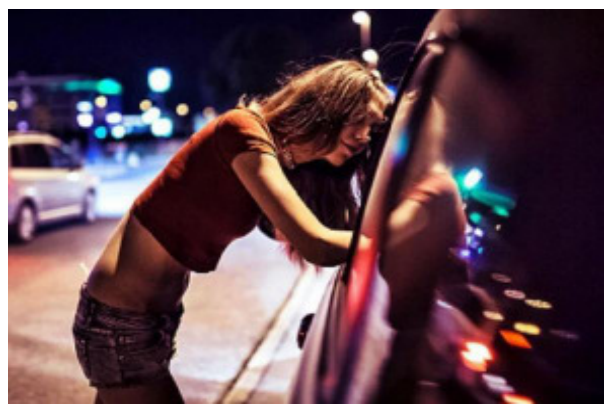

से पहले तक पुलिस जब भी किसी वेश्यालय या सेक्स रैकेट को पकड़ती तो वहां काम करने वाली प्रॉस्टिट्यूट्स को भी गिरफ्तार किया जाता था। पुलिस का तर्क ये था कि वेश्यावृत्ति से पहले 'सॉलिसिटेशन' हुआ ही होगा और इसी आधार पर प्रॉस्टिट्यूट्स को गिरफ्तार किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक 'सॉलिसिटेशन' हुआ ही होगा ये बिना प्रमाण के नहीं माना जा सकता है। इसीलिए प्रॉस्टिट्यूट्स को गिरफ्तार करना गलत है। उन्होंने कुछ गैर-कानूनी नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी फैसले में कहा था कि वेश्यावृत्ति एक 'पेशा' है और इस पेशे से जुड़े लोगों को भी कानून के तहत समान अधिकार प्राप्त हैं।वेश्यावृत्ति को आज भले ही सामाजिक बुराई माना जाता है, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। सबसे पुरानी सभ्यताओं के अवशेषों में भी इस बात के सबूत मिले हैं कि उनके समाज में वेश्यावृत्ति आम बात थी।प्राचीन सभ्यताओं में वेश्याएं ज्यादातर किसी धार्मिक अनुष्ठान से जुड़ी होती थीं। लेकिन समय के साथ ये तस्वीर बदलती चली गई। आज सेक्स वर्कर की परिभाषा तय करना लगातार जटिल होता जा रहा है। नई टेक्नोलॉजी के साथ इसमें नए-नए पहलू जुड़ते जा रहे हैं। पहले सेक्स वर्कर्स के तौर पर सिर्फ प्रॉस्टिट्यूट्स को ही जाना जाता था। अब कई जगहों पर पोर्नोग्राफी से जुड़े लोगों को भी सेक्स वर्कर की कैटेगरी में रखा जाता है। इसके साथ ही स्ट्रिप क्लब्स में काम करने वालों को भी सेक्स वर्कर माना जाता है। इंटरनेट के दौर में पोर्न का नया रूप वेब कैम रूम्स बन गए हैं। जहां लड़कियां वेब कैम के जरिये सेक्शुअल एक्ट्स को लाइव स्ट्रीम करती हैं। 'ओनली फैन्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिये ये इंडस्ट्री लगातार बढ़ रही है। जिन देशों में सेक्स वर्कर्स को कानून के जरिये रेगुलेट किया जाता है, वहां ये परिभाषा तय करना जरूरी हो गया है।पहले तो ये जानिए कि आखिर ये दिन मनाया क्यों जाता है। बात 1970 के दशक की है। पूरे यूरोप में वेश्यावृत्ति तो आम बात थी, लेकिन कहीं भी इसके नियमों पर तस्वीर साफ नहीं थी। इस वजह से सेक्स वर्कर्स पर दोहरा खतरा था। वे ग्राहकों और सेक्स रैकेट चलाने वाले दलालों की हिंसा का शिकार होती थीं। दूसरी तरफ पुलिस भी उनकी मदद करने के बजाय प्रताड़ित ही करती थी। 1975 में फ्रांस के लियोन शहर में एक के बाद एक तीन वेश्याओं की हत्या हो गई। इससे परेशान और डरी हुई सेक्स वर्कर्स ने पुलिस से मदद मांगी, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। अंततः 2 जून, 1975 को करीब 100 सेक्स वर्कर्स ने लियोन के शहर के सेन निजीर चर्च पर कब्जा कर लिया और चर्च परिसर में धरने पर बैठ गईं। उनकी मांग थी कि पुलिस की सख्ती बंद हो, जेल में बंद वेश्याओं को छोड़ा जाए। उनकी बुरी वर्किंग कंडीशन्स को सुधारा जाए और समाज में पहचान भी मिले।चर्च के प्रमुख रेवरेंड एंटॉनिन बिएल भी वेश्याओं के साथ थे। उन्होंने धरना देने वाली वेश्याओं को न तो खुद रोका और ना ही उन्हें हटाने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। चर्च परिसर में ये धरना 8 दिन तक चलता रहा। वेश्याएं अपना बैनर लगाए चर्च परिसर में ही रहती थीं। इस धरने को उस समय फ्रांस ही नहीं, दूसरे देशों की मीडिया ने भी खूब प्रचारित किया। इन वेश्याओं के समर्थन में फ्रांस के दूसरे शहरों फ्रांस, मार्से, ग्रेनोबल और मॉन्टपेलियर में भी सेक्स वर्कर्स ने धरने-प्रदर्शन शुरू कर दिए। अंततः 10 जून को सरकार के आदेश पर पुलिस ने धरना दे रहीं सेक्स वर्कर्स को लियॉन के चर्च से हटा दिया। इस प्रदर्शन से न तो कोई कानून बदला और ना ही सरकार ने कोई कदम उठाया। लेकिन इसने पूरे यूरोप की सेक्स वर्कर्स को संगठित कर दिया। 1976 से पूरे यूरोप में 2 जून को इंटरनेशनल सेक्स वर्कर्स डे के तौर पर मनाया जाने लगा। आज पूरी दुनिया में 300 से ज्यादा संगठन इस दिन अलग-अलग कार्यक्रम करते हैं। आज भी उनकी मांग सामाजिक पहचान और सेक्स वर्क को डिक्रिमिनलाइज करने की है।

निर्जला एकादशी 6 जून को,मान्यता-साल की सबसे बड़ी एकादशी है निर्जला

नयी दिल्ली। शुक्रवार, 6 जून को निर्जला एकादशी है। इसे साल की सबसे बड़ी एकादशी माना जाता है। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी का महत्व काफी अधिक है, क्योंकि ये व्रत तपस्या की तरह किया जाता है। अभी गर्मी चरम पर है और ऐसे समय में पूरे दिन भक्त भूखे-प्यासे रहते हैं, पानी भी नहीं पीते हैं और भगवान विष्णु की पूजा, मंत्र जप, ग्रंथों का अध्ययन करते हुए भक्ति करते हैं।मान्यता है कि जो भक्त विधि-विधान से निर्जला एकादशी का व्रत कर लेता है, उसे सालभर की सभी एकादशियों से मिलने वाला पुण्य एक व्रत से ही मिल जाता है। इस मान्यता के संबंध में पांडव पुत्र भीम से जुड़ी कथा प्रचलित है। ये व्रत भीम ने भी किया था, इस कारण इसका एक नाम भीमसेनी एकादशी भी है।उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, महाभारत के समय भीम को छोड़कर सभी पांडव सभी

एकादशियों पर व्रत करते थे। भीमसेन के लिए भोजन के बिना रह पाना बहुत मुश्किल था। इस कारण वे एकादशी व्रत नहीं कर पाते थे।एक दिन भीम से वेदव्यास से पूछा कि कोई ऐसा उपाय बताइए, जिससे मुझे भी एकादशी व्रत का पुण्य मिल सके, मेरे लिए महीने में दो बार भूखे रहकर व्रत करना बहुत मुश्किल है। तब ऋषि व्यास ने भीम को सलाह दी कि यदि वे सभी एकादशियों का पुण्य एक साथ प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी को बिना जल के उपवास करना चाहिए।भीमसेन ने सोचा कि साल में एक दिन तो भूखे-प्यासे रहकर व्रत-उपवास किया जा सकता है। इसके बाद भीम ने इस कठिन व्रत को किया था। भीम के व्रत से भगवान विष्णु प्रसन्न हुए और भगवान ने उन्हें आशीर्वाद दिया था। विष्णु ने भीम से कहा था कि जो भी भक्त श्रद्धा और विधि-विधान से ये व्रत करेगा, उसे सभी एकादशियों का पुण्य प्राप्त होगा।ये व्रत सबसे कठिन माना जाता है, क्योंकि भक्त पूरे दिन पानी भी नहीं पीते हैं। गर्मी के समय में पानी के बिना रहना बहुत मुश्किल होता है, इसी वजह से जो भक्त ये व्रत कर लेते हैं, उन्हें सभी 24 एकादशियों का पुण्य मिल जाता है। इस व्रत में संयम की परीक्षा होती है, भक्त किस तरह खुद पर संयम रखकर पूरे दिन निराहार और निर्जल रहकर भक्ति करता है। इसी वजह से ये व्रत संयम और भक्ति का प्रतीक है।जो लोग निर्जला एकादशी व्रत करना चाहते हैं, उन्हें दशमी तिथि (5 जून) की शाम को खाने में सात्विक आहार लेना चाहिए। जल्दी सोना चाहिए और सुबह सूर्योदय से पहले जागना चाहिए। स्नान के बाद उगते सूर्य को जल चढ़ाएं।घर के मंदिर में गणेश जी, भगवान विष्णु, महालक्ष्मी की विधिवत पूजा करें। गणेश जी को दूर्वा और लड्डू चढ़ाएं। विष्णु-लक्ष्मी को पीले फूल, तुलसी दल, धूप-दीप आदि चढ़ाएं। भगवान के सामने निर्जला एकादशी का व्रत करने का संकल्प लें। पूरे दिन बिना अन्न और जल के रहें। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और हरि नाम का जाप करें। जरूरतमंदों को दान करें और भोजन कराएं। शाम को पूजा करें। रात में जल्दी शयन करें।अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर भी सुबह जल्दी जागें, स्नान आदि कामों के बाद पूजा करें। घर में सात्विक भोजन बनाएं और जरूरतमंद लोगों को भोजन खिलाएं, इसके बाद खुद भोजन करें। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

इंपैथीः जब दूसरे का दुख-दर्द अपना हो जाए,इंपैथी ही है माइक्रोसॉफ्ट की सफलता का राज, बॉस बनना है तो सीखें इंपैथी

नयी दिल्ली। साल 2014 में सत्य नडेला जब माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बने, तब कंपनी दुनिया की सबसे ताकतवर टेक कंपनियों में से एक थी। तकनीकी रूप से बेहतरीन, रेवेन्यू भी बढ़ रहा था, लेकिन नडेला को कुछ खटक रहा था। उन्होंने ध्यान से देखा तो पाया कि कंपनी में लोग बस प्रतिस्पर्धा में जुटे हुए थे। वे एक-दूसरे की भावनाओं और परिस्थियों को अनदेखा कर रहे थे। नडेला ने इसे बदलने की ठानी। टीम लीडर्स से लेकर इंजीनियर्स तक सबको 'इंपैथी' के मूल्य अपनाने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे माइक्रोसॉफ्ट का कल्चर बदलने लगा। लोग एक-दूसरे की मदद करने लगे, गलतियों पर तानों की जगह सॉल्यूशन देने लगे। इससे कंपनी के प्रोडक्ट्स भी बदले। अब वे सिर्फ फंक्शनल नहीं, बल्कि इमोशनली कनेक्टेड बनने लगे। लोगों को अपनापन सा महसूस होने लगा। इस सोच ने माइक्रोसॉफ्ट को एक इनोवेटिव कंपनी के साथ इमोशनली इंटेलिजेंट कंपनी भी बना दिया। आज के सक्सेस मंत्रा कॉलम का टॉपिक है इंपैथी यानी समानुभूति। हम समझेंगे कि लीडरशिप और सक्सेस के लिए इंपैथी सबसे अंडररेटेड लेकिन जरूरी स्किल है। इंपैथी कैसे हमारी सफलता के सफर को आसान बनाती है और इसे अपनी जिंदगी में कैसे उतार सकते हैं।जब कोई दुखी होता है तो हम अक्सर कहते हैं कि 'मुझे तुम्हारे लिए बुरा लग रहा है।' यह सिंपैथी है, जिसे हिंदी में सहानुभूति कहते हैं। वहीं इंपैथी इससे एक कदम आगे की बात है

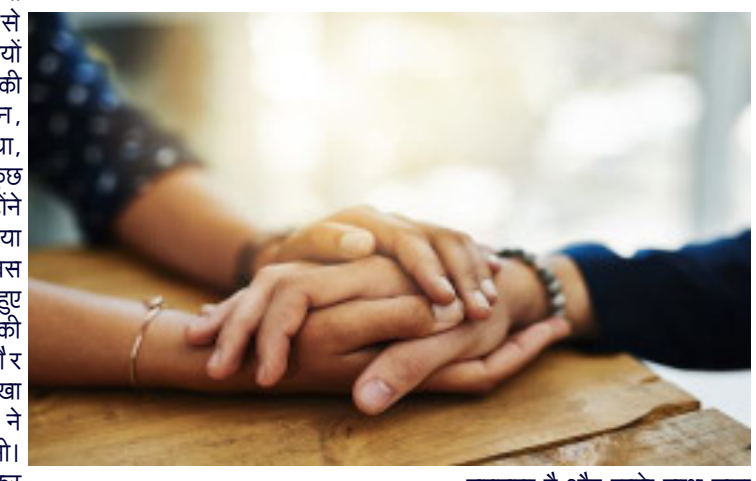

यानी समानुभूति। इसमें हम खुद से पूछते हैं कि 'अगर मैं इसकी जगह होता, तो क्या महसूस करता?' इंपैथी में सिर्फ देखना नहीं, बल्कि महसूस करना होता है। यह एहसास हमें दूसरे के दर्द से जोड़ता है, जैसे हम उसके साथ चल रहे हों। यही असली इंसानियत है।भारतीय मूल के सत्य नडेला ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके बेटे की गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी ने उन्हें इंपैथी का मतलब सिखाया था। उन्होंने एक पिता होने के नाते नर्स, डॉक्टर और केयरगिवर्स के नजरिए को समझने की कोशिश की। इससे उनके मन में लोगों के प्रति इंपैथी जागी। यहीं से उनके लीडरशिप स्टाइल में भी बदलाव आया।हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की एक रिसर्च के मुताबिक, इंपैथेटिक लीडर्स के साथ कोई टीम ज्यादा लॉयल, मेहनती और इनोवेटिव होती है। इसका मतलब है कि अगर लीडर टीम के प्रति इंपैथेटिक है तो टीम वर्कर्स को ज्यादा अपनापन महसूस होता है। उन्हें लगता है कि उनका टीम लीडर उनकी हर भावना को समझता है और उनके साथ खड़ा हुआ है। इसलिए टीम के टारगेट और प्रोजेक्ट्स को सफल बनाना उनका काम है।किसी को सलाह देने से पहले, उसे समझने की कोशिश इंपैथी है। यह तब पैदा होती है, जब हम किसी की बात बिना समझे, टोके या जज किए पूरे ध्यान से सुनते हैं। इसके लिए सिंपल तरीका ये है कि खुद से सवाल करें कि अगर मैं इसकी जगह होता तो मुझे कैसा महसूस होता?इस तरह के सवाल से हम किसी की परिस्थिति को उसके नजरिए से देख पाते हैं। इंपैथी विकसित करने का पूरा तरीका,इंपैथी का मतलब सिर्फ दूसरों को अच्छा महसूस करवाना नहीं है, यह खुद को भी गहराई से समझने की शुरुआत है। जब हम किसी की भावनाओं को सच में महसूस करते हैं तो हमारी बातचीत में अपनापन आता है, रिश्ते मजबूत होते हैं और तनाव का सॉल्यूशन मिल जाता है। इंपैथी हमें सिर्फ अच्छा श्रोता नहीं बनाती, बल्कि एक बेहतर इंसान, बेहतर दोस्त और बेहतर लीडर भी बनाती है। जब हम दूसरों को समझते हैं तो धीरे-धीरे हम खुद को भी समझने लगते हैं। यही बदलाव हमारे अंदर इमोशनल इंटेलिजेंस, समझदारी और सेल्फ-अवेयरनेस लाता है और यही तो हर सफल और संतुलित जीवन की नींव है।इंपैथी का मतलब यह नहीं कि आप हर बात से सहमत हों या कमजोर बन जाएं। यह सिर्फ दिल की नहीं, दिमाग की भी समझदारी है। इंपैथी दूसरों के लिए नहीं, खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया है। जब हम किसी चीज को बेहतर ढंग से समझते हैं, तब ही सही फैसले ले पाते हैं और रिश्ते मजबूत बनते हैं। इंपैथी को लेकर लोगों में जो भ्रांतियां हैं, वे गलत हैं।अगर आप हर किसी का दुख तुरंत अपने ऊपर ले लेते हैं तो धीरे-धीरे आप मन से, शरीर से और सोच से थकने लगते हैं। ये वैसा ही है जैसे हर रोज किसी और का भारी बैग उठाना। यह थोड़ी देर तो ठीक है, लेकिन रोज-रोज उठाते रहेंगे तो आपकी कमर झुकने लगेगी। बहुत ज्यादा इंपैथी रखने से हम अपनी भावनाओं में उलझ जाते हैं। जब कोई रो रहा हो तो हम भी रोने लगते हैं। जब किसी को दुख हो तो हम खुद भी दुखी हो जाते हैं। इससे दो बड़ी दिक्कतें होती हैं।पहले तो हम सामने वाले की सच में मदद नहीं कर पाते हैं, क्योंकि हम खुद ही टूट जाते हैं। दूसरे, हम अपने फैसलों में कंफ्यूज हो जाते हैं, क्योंकि हम दिल की सुनते हैं, लेकिन दिमाग को चुप करा देते हैं।कई बार लोग ज्यादा इंपैथी में दूसरों की तकलीफ अपने दिल पर इतना अधिक ले लेते हैं कि खुद की मानसिक सेहत बिगड़ जाती है। उन्हें नींद नहीं आती, चिंता बनी रहती है और हर वक्त लगता है कि उन्हें ही सब कुछ ठीक करना है।

दुबई में शौहर, घर में सौतन और कैमरे की रिकॉर्डिंग... डरा देगी चौथी मंजिल के फ्लैट की ये कहानी

नयी दिल्ली। 2 जून 2025 की सुबह लगभग 4.30 बजे का वक्त, नींद के गहरे आगोश में देश की राजधानी दिल्ली और सड़कों पर दूर तलक पसरा सन्नाटा। इसी सन्नाटे के बीच पुलिस कंट्रोल रूम में फोन की घंटी बजती है। फोन पर किशोर उम्र का एक लड़का था, जिसकी आवाज में काफी घबराहट महसूस हो रही थी। लड़का बताता है कि रात के अंधेरे में उसके घर में दो लोग घुसे और चोरी करने की कोशिश की। शोर सुनकर जब परिवार के लोग उठे, तो विरोध करने पर उन चोरों ने उसके पापा की दूसरी पत्नी को चाकू मार दिया है। खबर मिलते ही दिल्ली पुलिस की गाड़ी बताई गई जगह पर पहुंच जाती है। जगह थी दिल्ली के जामिया नगर में बटला हाउस इलाका। यहां पहलवान चौक के पास गली नंबर 10 में एक मकान की चौथी मंजिल से यह फोन गया था। गाड़ी से उतरकर पुलिसवाले तेज कदमों से ऊपर चौथी मंजिल पर पहुंचते हैं, तो सामने खून से लथपथ एक महिला की लाश मिलती है। उसकी गर्दन और पेट पर चाकू से कई वार किए गए थे।महिला का नाम था नस्बू खातून और उम्र लगभग 30 वर्ष। मौके से सबूतों को इकट्ठा किया जाता है लेकिन

घर में ऐसा कोई निशान नहीं मिलता, जिससे लगे कि कोई यहां जबरदस्ती घुसा था। चोरों के साथ संघर्ष जैसा भी कोई सुराग पुलिस को नहीं दिखता। पुलिस घर के लोगों से पूछताछ करती है, तो उन्हें एक बेहद उलझी कहानी सुनाई जाती है। इसी बीच पुलिस की नजर गली में लगे सीसीटीवी कैमरों पर पड़ती है। पुलिस बीती रात की पूरी फुटेज खंगालती है, लेकिन किसी भी कैमरे में ऐसा कुछ नहीं दिखता, जिससे लगे कि इस घर में कोई बाहर से आकर घुसा है। अब पुलिस का शक परिवार के लोगों पर जाता है। पुलिस इसी घर में रहने वाली मृतक महिला की सौतन अफसरी खातून और उसके दो बच्चों से पूछताछ करती है। थोड़ी सख्ती करते ही अफसरी टूट जाती है और अपना गुनाह कबूल करते हुए सारी कहानी पुलिस के सामने बयां कर देती है।नस्बू खातन की हत्या उसकी सौतन अफसरी ने ही की थी। पूरी कहानी कुछ इस तरह थी। करीब 16 साल पहले अफसरी खातून का निकाह अंसार नाम के शख्स से हुआ था। दोनों की जिंदगी में सबकुछ ठीक चल रहा था। तीन बच्चे भी हुए, जिनकी उम्र इस समय 14 साल, 13 साल और 6 साल है। लेकिन, इसी बीच अंसार ने हैदराबाद में नस्बू खातून नाम की महिला से दूसरा निकाह कर लिया।अंसार ने ना नस्बू को ये बताया कि वह पहले से शादीशुदा है और ना ही अफसरी को अपनी नई बेगम के बारे में बताया। करीब एक साल तक हैदराबाद में रहने के बाद अंसार अपनी नई दुल्हन को लेकर दिल्ली आ गया। अंसार की हकीकत जानकर, नस्बू और अफसरी दोनों ही हैरान थी। कुछ वक्त बाद अंसार अपनी दोनों बीवियों और बच्चों को छोड़कर नौकरी के लिए दुबई चला गया।उसके जाते ही नस्बू और अफसरी के बीच झगड़े होने लगे। अफसरी को लगता था कि उसका शौहर उससे कम बात करता है और अपनी दूसरी बीवी पर ज्यादा ध्यान देता है। बीच में अंसार वापस दिल्ली आया और एक महीने के लिए नस्बू को अपने साथ ले गया। वहां से लौटने के बाद, एक दिन अंसार की दोनों बीवियों के बीच झगड़ा हुआ और नस्बू ने अफसरी के एक बच्चे को थप्पड़ मार दिया।अब अफसरी ने ठान लिया कि वो अपनी इस सौतन से छुटकारा पाकर रहेगी। रविवार की शाम दोनों के बीच फिर से बहस हुई। गुस्से में भरी हुई अफसरी को नींद नहीं आई और उसने रात के लगभग 2 बजे रसोई में रखे चाकू से सोती हुई नस्बू के ऊपर हमला कर दिया। इसके बाद उसने अपने बड़े बेटे से पुलिस को फोन कराया और चोर वाली झूठी कहानी सुनाई। पुलिस ने अफसरी के ऊपर हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के इकलौते बेटे ने सुसाइड कियाःअमरोहा में सिर पर गोली मारी,सीए कर रहा था, मां शव देखकर बेहोश

लखनऊ। अमरोहा में बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के 21 साल के इकलौते बेटे ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली सिर के आर-पार हो गई। घटना के वक्त वह घर पर अकेला था। उसके पिता, मां और बहन मेरठ दवा लेने गए

थे। सोमवार रात लौटे तो बहन भाई के कमरे में गई। देखा कि उसकी लाश बेड पर पड़ी हुई थी। यह देखकर वह दौड़ते हुए मां-पिता के पास पहुंची और रोते हुए घटना के बारे में बताया। यह सुनते ही मां बेहोश होकर गिर पड़ी। आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। युवक को आनन-फानन में अस्पताल लेकर जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक सीए की पढ़ाई कर रहा था। पूरी घटना नौगावां सादात तहसील के आवास विकास कॉलोनी की है।बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राम अवतार सिंह मूल रूप से नौगावां सादात के खंडसाल कलां गांव के निवासी हैं। कुछ साल पहले वे पत्नी, बेटे और बेटी के साथ आवास विकास कॉलोनी में शिफ्ट हो गए थे। बेटी अलका अमरोहा से ही सीए की तैयारी कर रही थी, जबकि बेटा अश्विनी पीं फाइनल ईयर का छात्र था और दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहता था। चार दिन पहले ही वह घर आया था। सोमवार को राम अवतार सिंह, पत्नी किरण देवी की दवा लेने मेरठ गए थे। बेटी अलका भी साथ गई थी। घर पर सिर्फ बेटा अश्विनी ही था। दवा लेकर वे रात 11 बजे घर लौटे। राम अवतार सिंह और उनकी पत्नी ने बेटी से कहा-हम बहुत थक गए हैं, कमरे में सोने जा रहे हैं। तुम सोने से पहले एक बार अश्विनी को देख लेना। इसके बाद दोनों अपने कमरे में चले गए। अलका ने सामान रखा और भाई को देखने उसके कमरे में गई।अलका ने अश्विनी के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो वह खुल गया। जैसे ही वह अंदर गई, देखा कि अश्विनी खून से लथपथ बेड पर पड़ा है। कमरे में खून के छींटे फैले थे। अलका चिल्लाते हुए मम्मी-पापा के कमरे की ओर भागी और रोते हुए बोली-पापा... भाई... पापा भाई...। राम अवतार सिंह ने घबराकर पूछा- क्या हुआ? अलका ने रोते हुए बताया- पापा, भाई ने खुद को गोली मार ली है। यह सुनते ही अश्विनी की मां बेहोश होकर गिर पड़ीं। राम अवतार सिंह भागते हुए बेटे के कमरे में पहुंचे। वह भी बेटे का शव देखकर बदहवास हो गए। परिवार की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। परिजन अश्विनी को जिला अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे की जांच की। सीओ शक्ति सिंह ने बताया-फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। शुरुआती जांच में न तो घर में लूटपाट के निशान मिले हैं, न ही कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है। अश्विनी की कॉल डिटेल और चैट्स की जांच की जा रही है। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर कब्जे में ली गई है, ताकि दिनभर की गतिविधियों का पता चल सके।

यूपी में अग्निवीरों को पुलिस-पीएसी में 20फीसदी आरक्षण मिलेगाःआयु सीमा में भी छूट का प्रस्ताव, आज कैबिनेट से मंजूरी

लखनऊ।भारतीय सेना के पूर्व अग्निवीरों को यूपी पुलिस और पीएसी की भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। उन्हें आयु सीमा में भी छूट मिलेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में इसका प्रस्ताव मंजूर होगा। बैठक सुबह 11 बजे लोकभवन में कैबिनेट बैठक होगी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बैठक का एजेंडा जारी किया है। गृह विभाग की ओर से पूर्व अग्निवीरों को पुलिस और पीएसी में आरक्षण देने का प्रस्ताव है। केंद्र सरकार ने 2022 में अग्निपथ योजना लॉन्च की थी। इसके तहत आर्मी, नेवी और एयर फोर्स में चार साल के लिए नौजवानों को कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती किया जाता है। चार साल में छह महीने की ट्रेनिंग भी शामिल है। चार साल बाद जवानों को उनकी कार्यक्षमता के आधार पर रेटिंग दी जाएगी। इसी मेरिट के आधार पर 25फीसदी अग्निवीरों को परमानेंट सर्विस में लिया जाएगा। अग्निवीरों के पहले लॉट का कार्यकाल 2026-27 में पूरा होगा। यह संख्या 1 लाख के करीब है। इनमें 25 हजार सेना में नियमित हो जाएंगे। बाकी सिविल लाइफ में वापस आ जाएंगे।प्रदेश में पर्यटकों को सस्ती और सुलभ आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट और होम स्टे पॉलिसी लागू करने जा रहा है। कैबिनेट बैठक में पॉलिसी को मंजूरी मिल सकती है। पॉलिसी के तहत होम स्टे के लिए आवासों को रजिस्टर्ड कर लाइसेंस दिया जाएगा।खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से प्रदेश भर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण किया जाएगा। इसका प्रस्ताव भी कैबिनेट में पेश किया जाएगा। प्रस्ताव रखे जाएंगे उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की संस्तुति पर अनुमोदन। औद्योगिक विकास एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2017 के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एम्पॉवर्ड कमेटी की 11 फरवरी 2025 की बैठक में संस्तुति का अनुमोदन किया जाएगा।

बकरीद पर गाय-ऊंट की कुर्बानी नहीं होगी,अफसरों से कहा- माहौल बिगड़ने न पाए, तहरीर का इंतजार नहीं, तुरंत एक्शन हो-योगी आदित्य नाथ

लखनऊ। सीएम योगी ने सोमवार की शाम लॉ एंड ऑर्डर की समीक्षा की। सीएम ने कहा, 5 जून को गंगा दशहरा और 7 जून को बकरीद है। 24 जून को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। यह समय लॉ एंड ऑर्डर के लिए बेहद अहम हैं। सभी डीएम और एसपी पुरानी घटनाओं से सबक लें। बकरीद पर किसी भी प्रतिबंधित पशुओं जैसे गाय-नीलगाय और ऊंट की कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। कुर्बानी के लिए जिलों में तय स्थान है। उससे अलग कहीं कुर्बानी हो तो कार्रवाई करें। सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। आस्था का सम्मान होना चाहिए, लेकिन उपद्रव बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदिग्धों पर नजर रखी जाए। संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस पैदल मार्च करे। सीएम ने कहा, अगर कहीं विवाद की स्थिति बनती है तो पुलिस 'तहरीर' मिलने का इंतजार कतई न करे। तत्काल कदम उठाए जाएं। प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सौहार्द का माहौल बना रहना चाहिए।लॉ एंड ऑर्डर की इस मीटिंग में मुख्य सचिव मनोज सिंह, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद समेत कई सीनियर अफसर शामिल रहे। वहीं, मंडलायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, रेंज और जिले के वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे।सीएम योगी ने कहा, अवैध स्लॉटर हाउस किसी भी दशा में संचालित न हों। वैध स्लॉटर हाउस में निर्धारित क्षमता से अधिक पशु न रखे जाएं। खुले में मांस की बिक्री नहीं होनी चाहिए। निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था बनी रहे। तेज हवा व आंधी के कारण बाधित बिजली आपूर्ति की स्थिति में तत्काल रिस्पांस दिया जाए। बिजली आपूर्ति बाधित न होने पाए। गंगा दशहरा के लिए गंगा नदी के घाटों की साफ-सफाई व साज-सज्जा कराई जाए। 4 जून को स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाए। 5 जून की शाम गंगा घाटों पर आरती कार्यक्रम कराया जाए। गोताखोरों, पीएसी फ्लड यूनिट, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ अलर्ट मोड पर रहें।मुख्यमंत्री ने कहा, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर पौधारोपण कराया जाए। इसमें सांसद, विधायक सहित सभी जन-प्रतिनिधि शामिल हों। 21 जून 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। जिलों में मास्टर ट्रेनर भेजे जाएं।

बॉलीवुड/टैली मसाला

सोनाक्षी 38की, मोटी कहकर फिल्म से निकाली गईं, रैंप पर मॉडल ने कहा- अब गाय भी वॉक करेगी?, जहीर से पहले पांच लोगों को किया डेट

नयी दिल्ली। अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के दिलों में अपनी एक अलग और खास जगह बना चुकी एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को एक समय मोटापे की वजह से काफी आलोचना सहनी पड़ी थी। एक्टिंग में करियर शुरू करने से पहले सोनाक्षी ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। हालांकि जब उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने की सोची तो ओवरवेट होने की वजह से कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से एक प्रोड्यूसर ने फिल्म में लीड रोल देने से मना कर दिया था।यहां तक कि रैंप वॉक के दौरान भी उनके मोटापे का मजाक उड़ाया गया। यह बात सोनाक्षी के दिल को लग गई और उन्होंने अपनी विल पावर, वर्कआउट रूटीन और परफेक्ट डाइट प्लान से 30 किलो वजन कम करके सलमान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।सोनाक्षी सिन्हा ने आर्य विद्या मंदिर से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। उसके बाद बाद उन्होंने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय (एसएनडीटी) मुंबई से फैशन डिजाइनिंग में ग्रेजुएशन किया।सोनाक्षी ने 2005 में फिल्म 'मेरा दिल लेके देखो' से बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर अपना करियर शुरू किया था। इस फिल्म की प्रोड्यूसर सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा थीं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अर्चना पूरन सिंह, कोयल पुरी और करन कपूर जैसे सितारों ने काम किया था।इस फिल्म के बाद सोनाक्षी ने लंबे समय तक डिजाइनर के तौर पर काम किया। 2008-09 में लैक्मे फैशन वीक में रैंप पर भी वॉक किया।नेहा धूपिया के पॉपुलर चैट Mees BFFs with Vogue में सोनाक्षी सिन्हा ने रैंप वॉक के दौरान का एक किस्सा शेयर किया था। एक्ट्रेस ने कहा था- रैंप वॉक के दौरान एक सेलिब्रिटी मॉडल ने मेरी बॉडी का मजाक उड़ाया था। जब मैं रैंप पर वॉक कर रही थी, तभी एक सेलिब्रिटी मॉडल ने मुझे गाय बुलाया। उसने कहा कि ये क्या है अब गाय भी रैंप वॉक करेगी? जब नेहा धूपिया ने उस मॉडल का नाम पूछा तो सोनाक्षी कुछ नहीं बोलीं।सोनाक्षी सिन्हा को ओवरवेट होने की वजह से कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ा है। हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में सोनाक्षी ने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया था कि कैसे बॉडी को लेकर किए कमेंट ने उन्हें हिलाकर रख दिया था।एक्ट्रेस ने कहा था- ओवरवेट होने की वजह से मुझे एक फिल्म में लीड रोल नहीं दिया गया। मुझसे कहा गया कि आप इस रोल में अच्छी नहीं लगोगी। आपको एक छोटा सा रोल करना है। यह बात सुनकर मुझे बहुत बुरा लगा था।सोनाक्षी सिन्हा ने आगे बताया था- जब मैं घर गई तो मेरी मौसी वहां थीं। मैं उनके पास गई और उनसे लिपटकर रोने लगी। मैं सोच रही थी कि भगवान ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? उसने मुझे ऐसा क्यों बनाया? मैं बस खुद से सवाल करके रो रही थी। इस वाकये के बाद सोनाक्षी सिन्हा वजन कम करने में जुट गईं। अपनी विल पावर, वर्कआउट रूटीन और परफेक्ट डाइट प्लान से सोनाक्षी ने 30 किलो वजन कम कर लिया। सलमान खान की फिल्म 'दबंग' के बाद उन्होंने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।सोनाक्षी ने करीना कपूर के पॉडकास्ट 'व्हाट विमेन वांट सीजन 5' में सलमान खान की फिल्म 'दबंग' से जुड़ने का किस्सा शेयर किया था। एक्ट्रेस ने कहा था- सलमान खान और अरबाज खान ने मुझे अमृता अरोड़ा की शादी में नोटिस किया था। उस टाइम तक मैंने अपना सारा वजन कम कर लिया था। अरबाज ने मुझसे कहा कि वो कुछ लिख रहे हैं और उन्होंने बोला कि मैं उस रोल के लिए एकदम सही रहूंगी। तब मुझे लगा थी कि वो वैसे ही मजाक कर रहे हैं, लेकिन फिर एक दिन वो स्क्रिप्ट सुनाने के लिए मेरे घर आ गए। मेरा पूरा परिवार बैठकर स्क्रिप्ट सुनता रहा। स्क्रिप्ट सुनाने के बाद अरबाज ने और मेरी फैमिली ने सिर हिलाया, हाथ मिलाया और वो उठकर चले गए। उसके बाद मैं दबंग के सेट पर थी। ऐसा लगा जैसे कोई अरेंज मैरिज कर रहा हो।2010 में रिलीज फिल्म 'दबंग' से सोनाक्षी सिन्हा रातों-रात स्टार बन गईं। इस फिल्म में उनके डायलॉग काफी पसंद किए गए। यह कई बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2010 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। अपनी पहली फिल्म की साइनिंग अमाउंट सोनाक्षी ने सलमान के चैरिटेबल फाउंडेशन 'बीइंग ह्यूमन' को दान दे दी थी।7 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद सोनाक्षी और जहीर इकबाल ने 23 जून 2024 को शादी की। शादी से पहले दोनों को कई मौकों पर एक साथ स्पॉट भी किया गया।

तलाक के बावजूद बेटे के लिए फिर साथ आए धनुष-ऐश्वर्या,एक्टर ने शेयर की फैमिली फोटोज, फैंस बोले- आप दोनों को साथ देखकर खुशी हुई

नयी दिल्ली। साउथ फिल्मों के सुपरस्टार धनुष और डायरेक्टर ऐश्वर्या रजनीकांत हाल ही में एक खास मौके पर एक साथ नजर आए। मौका था उनके बड़े बेटे यात्र की स्कूल ग्रेजुएशन सेरेमनी का। अलग हो जाने के बावजूद दोनों ने बेटे की इस कामयाबी को साथ मिलकर सेलिब्रेट किया। धनुष ने सोशल मीडिया पर बेटे यात्रा की ग्रेजुएशन डे की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें से एक फोटो में यत्र अपने माता-पिता को गले लगा रहा है। धनुष ने फोटो के साथ लिखा - 'प्राउड पेरेंट्स क्ष्यात्रा' और दिल वाले इमोजी भी लगाया। इस खास मौके पर धनुष सफेद शर्ट और ब्लैक पैंट में थे। वहीं, ऐश्वर्या ऑफ-व्हाइट ड्रेस में नजर आईं। इससे पहले भी दोनों अपने बेटों यत्र और लिंगा के स्पोर्ट्स डे में साथ दिखाई दिए थे।इस पोस्ट के बाद फैंस इमोशनल हो गए। कमेंट सेक्शन में बधाइयों और दिल वाले इमोजी की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने प्यार भरे इमोजी के साथ अपनी खुशी जताई। एक यूजर ने धनुष को बधाई देते हुए उनके बेटे की सफलता की कामना की। किसी ने लिखा, 'फाइनली,' तो एक अन्य ने कहा, 'धनुष अच्चा हमेशा कई लोगों के लिए रोल मॉडल हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'आप दोनों को साथ देखकर खुशी हुई 'इसके अलावा, एक यूजर ने इस पल को खास बताते हुए 'आखिरकार! शानदार पल' लिखा। कुछ ने यत्र को बधाई दी तो किसी ने इसे एक चमत्कार बताया। बता दें कि धनुष और ऐश्वर्या ने 18 साल की शादी के बाद जनवरी 2022 में अलग होने की घोषणा की थी। अप्रैल 2024 में उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दी थी और नवंबर 2024 में कोर्ट ने उन्हें कानूनी रूप से अलग कर दिया।धनुष ने उस वक्त एक पोस्ट में लिखा था, '18 साल की साथ-साथ की यात्रा कभी दोस्तों की तरह, कभी पति-पत्नी के रूप में, और कभी माता-पिता व एक-दूसरे के शुभचिंतक बनकर। ये सफर रहा सीखने, समझने, समझौता करने और बदलते रहने का। आज हम उस मोड़ पर खड़े हैं जहां हमारे रास्ते अलग हो रहे हैं।' धनुष ने आगे ये भी लिखा था, 'मैं और ऐश्वर्या अब एक कपल के रूप में अलग होने का फैसला कर चुके हैं, ताकि हम खुद को एक व्यक्ति के तौर पर बेहतर तरीके से समझ सकें। कृपया हमारे इस फैसले का सम्मान करें और हमें इस दौर से गुजरने के लिए जरूरी निजता दें।वर्क फ्रंट की बात करें तो धनुष इन दिनों अपनी फिल्म 'कुबेरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। वहीं, वो अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'इडली कडाई' के पोस्ट-प्रोडक्शन में भी व्यस्त हैं। ऐश्वर्या की पिछली फिल्म 'लाल सलाम' थी, उनकी अगली फिल्म की घोषणा अभी नहीं हुई है।

हाउसफुल 5 एडवांस बुकिंगः बंपर ओपनिंग की तैयारी! 37 घंटों में बिके 45 हजार टिकट

नयी दिल्ली। 'हाउसफुल 5' सिनेमाघरों में धमाकेदार ओपनिंग की तैयारी में है। जी हां, बॉलीवुड की सबसे मशहूर कॉमेडी फ्रैंचाइज की इस 5वीं फिल्म ने एडवांस बुकिंग में गजब की तेजी दिखलाई है। एक ओर जहां प्री-सेल्स बुकिंग शुरू होने के 37 घंटों के भीतर इसके 45 हजार से अधिक टिकट बिक गए हैं, वहीं मेकर्स इसे अब तक की सबसे बड़ी रिलीज बनाने की तैयारी में हैं। खबर है कि 'हाउसफुल 5' को देशभर में 5000 स्क्रीन पर रिलीज किया जाएगा। शुक्रवार, 6 जून को यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो रही है। इसी दिन मणिरत्नम की कमल हासन स्टारर 'ठग लाइफ' भी रिलीज होगी। लेकिन हिंदी के सिनेमाघरों में इससे बहुत अधिक फर्क पड़ता नहीं दिख रहा है।तरुण मनसुखानी के डायरेक्शन में बन रही 'हाउसफुल 5' का टोटल बजट 375 करोड़ रुपये है। जबकि प्रमोशन बजट को निकाल दें तो प्रोडक्शन कॉस्ट 225 करोड़ रुपये है। यह बॉलीवुड की अब तक की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म है। अच्छी खबर यह है कि रिलीज से पहले ही फिल्म के सैटेलाइट राइट्स, डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स और म्यूजिक डील से इसने करीब 135 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।'हाउसफुल 5' की एडवांस बुकिंग रविवार शाम को 7517 शोज के साथ शुरू हुई थी।

हाउसफुल 5 के प्रमोशनल ईवेंट में बेकाबू हुई भीड़, अक्षय कुमार ने हाथ जोड़कर चिल्लाते हुए कहा- औरतें और बच्चे हैं धक्का-मुक्की मत करो

नयी दिल्ली। हाल ही में पुणे के मॉल में फिल्म हाउसफुल 5 का प्रमोशनल इवेंट रखा गया था, जहां फिल्म की स्टारकास्ट अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, नाना पाटेकर, नरगिस फाखरी समेत कई एक्टर्स पहुंचे। बॉलीवुड हस्तियों को देखने के लिए भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि अक्षय कुमार को धक्का-मुक्की पर काबू करने के लिए हाथ जोड़ने पड़ गए।प्रमोशनल इवेंट से कई वीडियोज सामने आए हैं, जिसमें देखा जा रहा है कि मंच के पास बढ़ने के लिए भीड़ ऐसी उतावली हो गई कि चीख-पुकार होने लगी। बच्चों, औरतों और बुजुर्गों को भीड़ में दबते देख अक्षय कुमार ने तुरंत मंच से हाथ जोड़ते हुए माइक पर कहा, हम लोगों को जाना पड़ेगा। धक्का मुक्की मत करो। हाथ जोड़कर विनती करता हूं, यहां औरतें हैं, बच्चे हैं। मैं सभी से अनुरोध करता हूं प्लीज।इसके बावजूद इवेंट से कई वीडियोज सामने आए हैं, जिनमें या तो बच्चे बैरिकेड्स से फंसे दर्द में कराहते नजर आए हैं या फिर एक बच्चा सिक्योरिटी टीम से ये कहता हुआ नजर आया कि उसके अंकल को सांस लेने की तकलीफ है और वो भीड़ में फंस गए हैं।लंबे संघर्ष के बाद स्टारकास्ट की सिक्योरिटी टीम ने हालात पर काबू पाया, जिसके बाद फिल्म की स्टारकास्ट ने स्टेज में जमकर मस्ती की। कभी अक्षय कुमार नाना पाटेकर के साथ घूमते दिखे तो कभी पूरी टीम ने मिलकर जमकर मस्ती-मजाक किया।बताते चलें कि फिल्म हाउसफुल 5, 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ और संजय दत्त अहम किरदारों में हैं।

गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से गलती से मिले थे आमिर खान,कहा- लगा था मैं बूढ़ा हो गया, मुझे कौन मिलेगा, रीना-किरण को बताया जिंदगी का हिस्सा

नयी दिल्ली। आमिर खान ने पहली बार अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट पर बात की है। उन्होंने बताया है कि गौरी के जिंदगी में आने से पहले वो खुद को बूढ़ा समझने लगे थे। उन्होंने एक साल पहले सोच लिया था कि वो कभी शादी नहीं करेंगे, लेकिन अब गौरी के आने से उनकी सोच बदल चुकी है। पॉडकास्टर राज शमानी ने इंटरव्यू के दौरान आमिर खान से उस बारे में पूछा जब एक्टर ने कहा था कि वो शादी नहीं करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि तब से आज में क्या बदला तो उन्होंने फट से नई गर्लफ्रेंड गौरी का नाम लिया। एक्टर ने कहा, गौरी, वो मुझे मिलीं। उस वक्त मुझे ये लगा था कि मेरी उम्र भी हो गई है। इस उम्र में कहां किसी को ढूंढूंगा और कौन मिलेगी। मेरे थेरेपी भी शुरू हो गई थी तब तक तो मुझे समझ आ गया था कि पहले मुझे खुद को हेल्दी बनाना है। और जो मैं पहले प्यार करूं अपने आप से करूं। सेल्फ लव और सेल्फ रिस्पेक्ट पर मैंने ध्यान देना शुरू किया।आगे आमिर खान ने कहा, उस वक्त मुझे लगा कि मेरे दो गहरे रिश्ते रहे हैं। एक रीना के साथ एक किरण के साथ। आज भी हम दोस्त हैं, इज्जत है एक-दूसरे के लिए। अब मुझे लगता है कि मुझे कोई ऐसा मिलेगा नहीं, जिसके साथ मेरा ऐसा बॉन्ड बनेगा। 58-59 का हो गया हूं, अब मुझे कौन मिलेगा। ये मेरे माइंड में था। 2-3 साल पहले मुझे लगा कि मुझे अब कौन मिलेगा। गलती से मैं और गौरी मिले, हम कनेक्ट हुए, हमारी दोस्ती बढ़ी, प्यार बढ़ा, इज्जत बढ़ी। तो वो हो गया। मैंने कभी प्लान नहीं किया था। मैंने तो सोचा था कि अब मेरे पास अम्मी हैं, बच्चे हैं, मुझे पार्टनर की जरूरत नहीं है।आमिर ने इंटरव्यू में आगे कहा, मेरे कई रिश्ते इतने हेल्दी हैं, किरण रीना और मैं आज भी पानी फाउंडेशन पर साथ काम करते हैं। आज भी साथ बातचीत करते हैं। मुझे लगता है कि मैं रीना और किरण हमेशा एक परिवार रहे हैं। भले ही हम पति-पत्नी नहीं हैं, लेकिन वो परिवार हैं। वो मेरे परिवार का अटूट हिस्सा हैं। मेरी जिंदगी का हिस्सा हैं, जो कभी बदलेगा नहीं। 2 साल पहले मुझे लगा था कि अब शायद मेरा कोई रिश्ता न हो। उस बात से मैंने समझौता भी कर लिया था कि अब शायद ऐसा न हो। लेकिन फिर मैंने उसे सरप्राइज कर दिया।बताते चलें कि आमिर खान इन दिनों बैंगलोर की रहनेवाली गौरी स्प्रैट को डेट कर रहे हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और फिर प्यार हो गया। दोनों डेढ़ सालों से रिलेशनशिप में हैं।

कॉन्सर्ट के दौरान हिमेश का आलोचकों पर तंज,फैंस से पूछा- नाक से गाऊं या नॉर्मल? ऑडियंस का रिस्पॉन्स हुआ वायरल

नयी दिल्ली। हिमेश रेशमिया ने 31 मई को मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में अपने 'कैप मेनिया टूर' के तहत परफॉर्म किया। हिमेश ने अपने हिट गाने पर परफॉर्म कर और सेलेब्स को झूमने पर मजबूर कर दिया। हाउस फुल कॉन्सर्ट के दौरान हिमेश अपने आलोचकों पर तंज कसते भी दिखे, जो उनके नाक से गाने का मजाक उड़ाते हैं। दरअसल, कॉन्सर्ट का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हिमेश 'आशिक बनाया आपने' गाते नजर आ रहे हैं। परफॉर्मेंस के बीच में ही वो अपने फैंस से मजाकिया अंदाज में पूछते हैं कि थोड़ा रेगुलर गाऊं या नाक से गाऊं? हिमेश के इतना पूछते ही भीड़ ने उन्हें नाक से गाने के लिए चीयर करने लगती है। ऑडियंस की तरफ से मिले रिस्पॉन्स के बाद वो पूछते हैं कि क्या आप लोग श्योर हो? फिर वो अपने पुराने अंदाज में गाने की दो लाइन गाते हैं, जिस पर भीड़ ने खूब तालियां बजाईं।बता दें कि इंडस्ट्री में कई लोग हिमेश के नाक से गाने वाले स्टाइल का मजाक उड़ाते हैं। अब इस वीडियो को उन आलोचकों के लिए सिंगर का जवाब माना जा रहा है। कुछ दिन पहले पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में हिमेश ने कहा था कि उन्होंने बॉलीवुड में नाक से गाने के चलन की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा था- 'आज तो नाक से गाने की बात भी नहीं कर रहे हैं। मेरे बाद कई लोगों ने नाक से गाना गाया। भले ही मैं आज इसे नाक से गाना कहता हूं। मेरे लिए, यह कभी नाक से गाना नहीं था। यह हाई पिच में गाना था। आशिक बनाया वीडियो में, लड़का असल में पेन में गाता, रोता और साथ ही नाच भी रहा है।'हिमेश रेशमिया की करियर की बात करें तो वो हाल ही में फिल्म 'बैडएस रवि कुमार' में दिखे थे। इस फिल्म को दर्शकों से मिक्स रिस्पॉन्स मिला था लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। मुंबई में कॉन्सर्ट की सक्सेस के बाद हिमेश अपने कैप मेनिया टूर के तहत 19 जुलाई को दिल्ली में परफॉर्म करने वाले हैं।

'द राजा साब' की सामने आई नई रिलीज डेट, पर्दे पर शाहिद कपूर से टकराएगी प्रभास की फिल्म, इस दिन जारी होगा टीजर

नयी दिल्ली। साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' अप्रैल महीने में 10 तारीख को रिलीज होनी थी लेकिन फिर इसे पोस्टपोन कर दिया गया था। मेकर्स इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को फेस्टिव सीजन में पर्दे पर उतारना चाहते थे। लेकिन बात बनी नहीं। मगर अब लंबे इंतजार के बाद इसकी नई रिलीज डेट सामने आई है। डायरेक्टर मारुति ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर अनोखे अंदाज में दी है। प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी। डायरेक्टर मारुति ने एक्स हैंडल पर एक पोस्टर जारी किया है। जिसमें रिलीज डेट 5 दिसंबर बताई गई है और 16 जून को 10:52 बजे पर टीजर आने की जानकारी दी गई है। पोस्टर में प्रभास लाल रंग का एक पर्दा हाथ में लिए हुए हैं और वो हवा में उड़ रहा है। जिसमें आग लगी हुई है।मारुति की डायरेक्टेड इस फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार अहम भूमिका में हैं। हालांकि ये मूवी, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म से क्लैश होगी, जिसे विशाल भारद्वाज बना रहे हैं। इसका टाइटल अभी सामने नहीं आया है। मगर ये दावा किया जा रहा है कि 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली है, जो कि प्रभास से टकराएगी। फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है और इसकी सिनेमैटोग्राफी कार्तिक पालन ने की है।बता दें कि 'द राजा साब' 10 अप्रैल को रिलीज नहीं की गई। पोस्ट प्रोडक्शन,वीएफएक्स और गाने की रिकॉर्डिंग का काम बाकी रह जाने के कारण इसे पोस्टपोन कर दिया गया था। ये एक तेलुगू रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है।

हम बूचड़खाने में थे... सुरवीन चावला ने टीवी इंडस्ट्री की खोली पोल, कहा- एक्टर्स को गाय-भैंस जैसे करते हैं ट्रीट

नयी दिल्ली। टेलीविजन, फ़िल्मों और वेब सीरीज़ में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान भारतीय टेलीविज़न इंडस्ट्री में काम करने पर बात की है। अपने शुरुआती करियर को याद करते हुए, सुरवीन ने टीवी के माहौल, सम्मान की कमी और अपने साथ हुए अमानवीय व्यवहार के बारे में बात की।बालाजी टेलीफ़िल्म्स की 'कहीं तो होगा' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सुरवीन ने अपने ऊपर भारी दबाव को महसूस किया। उन्होंने कहा, 'मैं हफ़्ते में चार दिन बालाजी के लिए शूटिंग करती थी। ऐसा लगता था कि क़यामत का हाथ है मेरे सर पे। मुझे इस क्षेत्र का कोई अनुभव नहीं था। लोग मेरे उच्चारण पर हंसते थे।'टीवी शूट की रोजमर्रा की परेशानियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'टेलीविजन में ऐसा लगता है कि आपके साथ मवेशियों जैसा व्यवहार किया जाता है। गाय भैंस जैसी हरकतें होती हैं। यह एक फैक्ट्री सेटअप है। एक डेडलाइन होती है, एपिसोड डिलीवर होने चाहिए। तो आप कौन हैं? आप बस एक और काम करने वाली संस्था हैं। आप घर पर नहीं हैं, आप सिस्टम का एक प्रोडक्ट हैं।'सुरवीन ने 'कहीं तो होगा' के अनुभव को लेकर बात की, जिसमें एक अजीब डायरेक्टर भी था। उन्होंने कहा, 'बहुत सी महिलाओं को उनके साथ काम करने में समस्या थी, लेकिन वे प्रोडक्शन हाउस के पसंदीदा बने रहे। ऐसा लगा जैसे हमें बूचड़खाने में भेजा जा रहा है। 'जब तक काम चल रहा था, तब तक कुछ भी मायने नहीं रखता था, कोई सही या गलत नहीं था।'उन्होंने यह भी बताया कि कैसे महिलाएं भी अक्सर इसी तरह के जहरीले व्यवहार को बर्दाश्त करती हैं। उन्होंने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन सच है। मुझे उस आदमी के बारे में ऐसा कहने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ सकता है जिसने मुझे मेरा ब्रेक दिया, लेकिन मैं इसकी सराहना नहीं करती। किसी को उसके काम के लिए भुगतान करने का मतलब यह नहीं है कि आप उसके मालिक हैं

अली असगर कहां गायब हैं? 9 महीने ठुकराए पर्दे पर औरत बनने के ऑफर, बताया- बच्चे पूछते हैं आपको और कुछ नहीं आता?

नयी दिल्ली। 'कॉमेडी सर्कस', 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा शो' में अपने कॉमिक रोल्स के लिए मशहूर अली असगर ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात की, जब उनके बच्चों को टेलीविजन पर क्रॉस-ड्रेसिंग के कारण स्कूल में बहुत कुछ सुनना पड़ा था। उन्होंने एक पल को याद किया जब उनके बेटे ने उनसे पूछा कि क्या वह कुछ और नहीं कर सकते हैं क्या! एक हालिया इंटरव्यू के दौरान, अनुभवी एक्टर ने 'द कपिल शर्मा शो' छोड़ने के कारण के बारे में भी बात की। अली असगर ने 'कॉमेडी सर्कस' के दौरान अपने करियर के एक दौर के बारे में बात की, जहां उन्होंने पहली बार कपिल शर्मा के साथ काम किया था। एक्टर ने बताया कि ज़्यादातर एपिसोड में महिला किरदार निभाने से उन्हें नाखुश महसूस हुआ। इस वजह से उन्हें जानबूझकर टेलीविज़न से ब्रेक लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'द कपिल शर्मा शो से पहले हम कॉमेडी सर्कस का एक सीजन कर रहे थे, जिसे दलेर मेहंदी और अर्चना पूरन सिंह जज कर रहे थे। हमने सीजन जीता और यह एक बेहतरीन सीजन था। मैंने बहुत कुछ सीखा और कपिल के साथ पहली बार काम कर रहा था। उसके बाद मैंने कॉमेडी सर्कस में 26 एपिसोड में से 18-19 एपिसोड में मुझे क्रॉस-ड्रेसिंग करनी पड़ी।''एक समय था जब लेखकों ने मुझे सिर्फ़ महिला किरदार निभाने के लिए लिखा था। डिफ़ॉल्ट रूप से वे ऐसा सोचते थे कि अली ही करेगा और दूसरे इवेंट या अवॉर्ड्स में भी मुझे इसी तरह के महिला किरदार निभाने को मिलते थे।

हॉलीवुड एक्टर जोनाथन जॉस की गोली मारकर हत्या, इसी साल वैलेंटाइन डे पर की थी शादी, जनवरी में घर में लगी थी आग

नयी दिल्ली। मशहूर अमेरिकी एक्टर और म्यूजिशयिन जोनाथन जॉस की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस अधकिारियों ने बताया कि एनिमेटेड टीवी सीरीज 'किंग ऑफ द हिल' फेम एक्टर को टेक्सास में उनके घर के पास ही गोली मारी गई, जिससे उनकी जान चली गई। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जोनाथन 59 साल के थे। इसी साल फरवरी में वैलेंटाइन डे के मौके पर उन?होंने शादी की थी। जबकि जनवरी में उनके घर में भीषण आगजनी भी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, रविवार को शाम करीब 7 बजे उन?हें गोलीबारी की सूचना मिली। साउथ सैन एंटोनियो इलाके में हुई गोलीबारी की खबर पाकर जब पुलिस वहां पहुंची तो उन?हें सड़क के पास जोनाथन जॉस घायल हालात में मिले। सैन एंटोनियो पुलिस ने बयान में कहा, 'अधिकारियों ने इएमएस के पहुंचने तक जोनाथन की जान बचाने के लिए जरूरी उपास किए, लेकिन ईएमएस ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 'जोनाथन जॉस समलैंगिकता के बड़े पैरोकारों में से थे। उनके पति ट्रिस्टन कर्न डी गोंजालेस ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को मैसेज भेजकर एक?टर की मौत की पुष्टि की। साथ ही बताया कि दोनों की शादी इस साल की शुरुआत में वैलेंटाइन डे पर हुई थी।डी गोंजालेस ने कहा कि उन्हें और जोनाथन जॉस को पहले भी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था, जिसमें से अधिकतर 'खुले तौर पर समलैंगिकता विरोधी' थे। जॉस के पति ने कहा कि एक?टर की हत्या करने वाले ने गोली चलाने से पहले 'हिंसक समलैंगिकता विरोधी गालियां' दीं। गोंजालस ने कहा, 'उसकी हत्या किसी ऐसे ने की है, जो दो पुरुषों को एक-दूसरे से प्यार करते हुए देखना बर्दाश्त नहीं कर सकता था।'डी गोंजालेस ने बताया कि गोलीबारी से पहले वो और जोनाथन घर पर मेल चेक कर रहे थे। जनवरी में लगी आग के दौरान उनका घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसमें उनके तीन कुत्तों की जान चली गई थी। गोंजालेस ने कहा, 'तभी एक आदमी आया और उसने हमारे पास आकर हमें बंदूक दिखाकर धमकाया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।